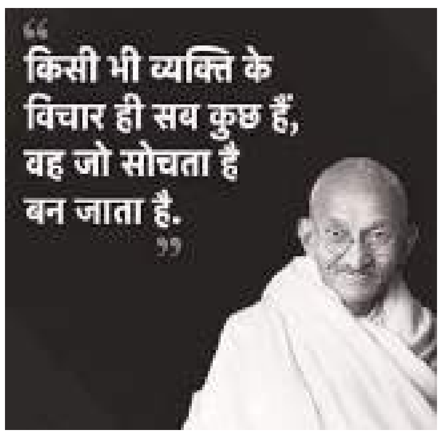

दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा

जबलपुर, नर्मदापुरम एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना | वर्ष-15, अंक -216 जबलपुर, सोमवार 21 सितम्बर 2026 | कीमत-1 रुपया पृष्ठ-8 | संपादक विलक्षण सक्सेना

एक नजर

मुंबई के महागणपति पंडाल के पास बड़ा हादसा, कतार में खड़े लोगों को लगा करंट 2 की मौत, कई लोग घायल

मुंबई.(आरएनएस) मायानगरी मुंबई के लालबाग इलाके में गणपति उत्सव के दौरान बड़ा हादसा हो गया. कालाचौकी महागणपति पंडाल के पास करंट लगने से 8 वर्षीय बच्ची समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं. हादसा रात करीब ढाई बजे दत्ताराम लाड मार्ग पर कालाचौकी विभाग सार्वजनिक उत्सव मंडल के पास हुआ. घटना के वक्त इलाके में गणपति दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे. परिजनों ने हादसे के लिए आयोजकों को जिम्मेदार ठहराया है. मृतक बच्ची के एक रिश्तेदार ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी को देखते हुए सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होने चाहिए थे. जानकारी के मुताबिक, रात करीब 2=20 बजे कालाचौकी स्थित दत्ताराम लाड मार्ग पर पंडाल के पास अचानक करंट फैल गया. इस दौरान वहां मौजूद कई लोग इसकी चपेट में आ गए. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई.

कुचामन में डंपर और कार की भीषण भिड़ंत, एक ही परिवार के 3 सदस्यों सहित 4 की मौत

जयपुर.(आरएनएस) राजस्थान के डीडवाना-कुचामन = जिले के नावां शहर में बुधवार सुबह मिठड़ी बाईपास पर तेज रफ्तार डंपर और कार की जबरदस्त भिड़ंत हो गई. हादसे में मौके पर ही चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई. मरने वालों में दंपती, उनकी बेटी और कार चालक शामिल हैं. थाना प्रभारी सुरेश चौधरी के अनुसार डंपर से टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और मृतकों के शव कार के अंदर ही फंस गए. पुलिस को शव निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी.

नावां थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया है. डंपर को जब्त कर थाने भिजवा दिया गया है. डंपर में मुरड़ भरी हुई थी.

दिल्ली एसआईआर के बाद बड़ा झटका

आडवाणी, सिसोदिया और केजरीवाल समेत 33 लाख मतदाताओं को नोटिस, सूची में सिब्बल भी

नई दिल्ली(आरएनएस) मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि तथ्यों और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही इन नामों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। मतदाताओं को अपने जवाब और दस्तावेज संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के पास 29 अक्तूबर तक जमा कराने होंगे।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत दिल्ली में एक बड़ा मामला सामने आया है। निर्वाचन आयोग द्वारा विवरणों में कथित विसंगतियों के कारण नोटिस पाने वाले 33 लाख मतदाताओं की सूची में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जैसी कई प्रमुख हस्तियों के नाम भी शामिल हैं।

लालकृष्ण आडवाणी, बेटी और बहू को नोटिस

98 वर्षीय आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहू गीतिका को नोटिस जारी

किए गए हैं, क्योंकि उनके नाम 2002 के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मतदाता सूची से मेल नहीं खा पाए। हालांकि, उनके बेटे जयंत इस मैपिंग प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पार कर चुके हैं। ये सभी नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के मतदाता हैं।

मनीष सिसोदिया, उनकी पत्नी और बेटे को नोटिस

आप नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, उनकी पत्नी सीमा और उनके बेटे मीर को भी नोटिस मिला है। अधिकारियों के अनुसार, बेटे मीर के नोटिस में माता-पिता के नाम में विसंगति और पत्नी सीमा के नोटिस में उनके अपने नाम में बेमेल का कारण बताया गया है।

सूची में और कौन-कौन?

इस सूची में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के नाम भी शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि दस्तावेजों के सत्यापन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की प्रविष्टि को मान्य कर दिया गया है और शालीमार बाग निर्वाचन क्षेत्र की अंतिम मतदाता सूची (जो 4 नवंबर को प्रकाशित होगी) में उनके नाम को शामिल करने के लिए सुरक्षित कर लिया गया है।

एसआईआर प्रक्रिया और आगे की समय-सीमा

30 जून से 17 अगस्त के बीच चलाए गए घर-घर सत्यापन अभियान के दौरान प्रत्येक मतदाता को एक गणना फॉर्म जमा करना आवश्यक था। मसौदा सूचियों में शामिल लगभग 97 लाख मतदाताओं में से 33.13 लाख मतदाताओं को उनके फॉर्म में विसंगतियों के चलते नोटिस के लिए चिह्नित किया गया है, जिसमें से अब तक 31.63 लाख से अधिक नोटिस दिए जा चुके हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि तथ्यों और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही इन नामों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। मतदाताओं को अपने जवाब और दस्तावेज संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के पास 29 अक्तूबर तक जमा कराने होंगे, जबकि दावों और आपत्तियों का चरण 30 सितंबर को समाप्त होगा।

शाह के इशारे पर की गई वोटरों को हटाने की कार्रवाई

एसआईआर को लेकर कांग्रेस ने केंद्रीय गृहमंत्री पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (आरएनएस) कांग्रेस एक बार फिर बीजेपी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर हमलावर हो गई है। पार्टी ने रविवार को आरोप लगाया कि वोटर लिस्ट में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन(एसआईआर) के कारण बड़ी संख्या में वोटरों के नाम हटाए जा रहे हैं। पार्टी ने इस प्रक्रिया को गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर वोटरों को हटाने की कार्रवाई बताया और दावा किया कि यह संविधान पर हमला है।

चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट को वेरिफाई और अपडेट करने की प्रक्रिया के तहत 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर का तीसरा चरण शुरू किया है, जिसमें 36.73 करोड़ से अधिक वोटर शामिल हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि तीसरे चरण में शामिल राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग हर तीन में से एक वोटर का नाम या तो वोटर लिस्ट से हटा दिया गया था या उनके नाम हटाए जाने की संभावना थी। उन्होंने एक बयान में कहा, नाम हटाने की दर 17 प्रतिशत से अधिक है। इसके अलावा, 5.43 करोड़ वोटरों को नोटिस भेजकर वोटर लिस्ट में अपना नाम बनाए रखने के लिए अतिरिक्त दस्तावेज मांगे गए हैं। नाम हटाए जाने का जोखिम 15 प्रतिशत और है। उन्होंने दावा किया कि चल रहे तीसरे चरण में 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में शामिल 36.06 करोड़ मतदाताओं में से 6.18 करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। रमेश ने आगे दावा किया कि एसआईआर के पहले दो चरणों के परिणामस्वरूप 7.8 करोड़ नाम हटा दिए गए और नाम हटाने की दर संशोधन प्रक्रिया से पहले मतदाता सूची का 13 प्रतिशत थी। चुनाव आयोग के अनुसार, एसआईआर के तीसरे चरण का आदेश 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में दिया गया था,

एशियन गेम्स के पहले दिन भारत को 2 सिल्वर

दोनों राइफल शूटिंग में आए; मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में भी मेडल पक्का

नई दिल्ली.(आरएनएस) भारत ने 20वें एशियन गेम्स के पहले दिन 2 सिल्वर मेडल जीत लिए हैं। दोनों मेडल 10 मीटर राइफल शूटिंग में आए। जबकि स्विमिंग और वुशु के मेडल गंवाए हैं। रविवार को एलावेनिल वलारिवन ने 10 मीटर राइफल इंडिविजुअल्स इवेंट में 252.4 अंक के साथ सिल्वर जीता। वे 0.6 अंक से गोल्ड मेडल चूक गईं। जापान की हिनाता ताइची ने 253.0 पॉइंट्स लेकर गोल्ड जीता। इससे पहले भारतीय महिला टीम ने 1898.0 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। इस टीम में एलावेनिल, सोनम मस्कर और विदारसा विनोद शामिल रहीं। सुचिका तरियाल ने मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स की ट्रेडिशनल कैटेगरी (-60 द्मद्द) के सेमीफाइनल में पहुंचकर मेडल पक्का किया। उन्होंने मंगोलिया की अल्तनचिमेग बैगलमा को 2-0 से हराया। भारत मेडल टैली में 10वें स्थान पर है। चीन 11 गोल्ड समेत 20 मेडल जीतकर पहले स्थान पर है। वहीं, मेजबान जापान 6 गोल्ड के साथ नंबर-2 पर है।

टेबल टेनिस- मेंस टीम को ईरान ने हराया

टेबल टेनिस के मेंस टीम ग्रुप-स्न मुकाबले में भारत को ईरान के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। मानुष शाह को नोशाद अलामियान ने 3-0 से हराया, जबकि मानव ठक्कर भी बेन्यामिन फराजी के खिलाफ 0-3 से हार गए.इसके बाद हरमीत देसाई ने नीमा अलामियान के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेला, लेकिन 2-3 से हार गए। इस जीत के साथ ईरान ने मुकाबला 3-0 से अपने नाम किया। भारत ने सिंगापुर को 3-2 से हराकर रोमांचक मैच अपने नाम किया। यशस्विनी घोरपड़े ने लोय मिंग को रोमांचक मुकाबले में 5-11, 11-8, 12-10, 4-11, 11-9 से हराकर भारत की जीत पक्की की।

राहुल गांधी के कार्यक्रम में पीएम मोदी की मिमिक्री पर भड़की बीजेपी

कांग्रेस कॉमेडियन और जोकरों की पार्टी बन गई है-भाजपा

नई दिल्ली (आरएनएस) इंदौर में राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान की गई मिमिक्री को लेकर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस की मिमिक्री वाला क्लिप शेयर कर लिखा, कांग्रेस पार्टी कॉमेडियन और जोकरों की पार्टी बन गई है। वे हमेशा के लिए बाहर हो गए हैं। किरेन रिजिजू ने एक और ट्वीट में राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि %क्या आपको बुजुर्ग माताजी और भारत के प्रधानमंत्री का मजाक उड़ाते हुए जरा भी शर्म नहीं आती?

राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के तौर-तरीकों और सार्वजनिक रूप से उनके पेश आने वाले अंदाज की मिमिक्री की गई थी। इस दौरान परफॉर्मर ने पीएम मोदी की खास हंसी, हाथों के इशारों और लोगों का अभिवादन करने और गले मिलने के तरीके की

नकल की। यह एक्ट राहुल गांधी के संबोधन वाले छात्रों पर केंद्रित कार्यक्रम के दौरान हुआ।

मिमिक्री करने वाले कलाकार पुलकित मणि थे, जो एक भारतीय स्टैंड-अप कॉमेडियन और सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर हैं। यह परफॉर्मेंस जल्द ही राजनीतिक चर्चा का विषय बन गई, जिसमें बीजेपी ने स्टेज एक्ट और उस पर राहुल गांधी की प्रतिक्रिया को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। किरेन रिजिजू ने एक और पोस्ट में राहुल गांधी पर अटैक करते हुए लिखा, क्या आपको बुजुर्ग माताजी और भारत के प्रधानमंत्री का मजाक उड़ाते हुए जरा भी शर्म नहीं आती? किरेन रिजिजू का यह पोस्ट छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर चल रही व्यापक राजनीतिक बहस के बीच आया, जिसमें राहुल गांधी ने बेरोजगारी और परीक्षा में अनियमितताओं सहित छात्रों से जुड़े मुद्दों पर बात की। इस घटना पर रिएक्ट करते हुए महाराष्ट्र बीजेपी विधायक राम कदम ने छात्रों और उनकी चिंताओं पर केंद्रित कार्यक्रम में मिमिक्री के इस्तेमाल पर सवाल उठाए।

राम कदम ने राहुल गांधी को जमकर सुनाया

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी खुद कब इस बात पर गौर करेंगे कि मिमिक्री मनोरंजन तो दे सकती है? लेकिन अगर देश को आगे बढ़ना है और हमें छात्रों के उत्थान के बारे में बात करनी है, तो नीति, कड़ी मेहनत और अवसरों पर चर्चा करना जरूरी है। राम कदम ने आगे कहा कि जिस तरह से वह वहां अपनी बात रख रहे थे, देश भर में घूम रहे थे औरछात्रों और युवाओं को गुमराह कर रहे थे, एक बार, लोकसभा चुनाव के दौरान, उन्होंने संविधान को लेकर पूरे देश में भ्रम पैदा किया था।

मुंबई में बीएमडबलू फ्लाईओवर से 75 फीट नीचे गिरी- 3 मौतें, 1 घायल; चारों की उम्र 17 से 23 के बीच

मुंबई.(आरएनएस) मुंबई के कोस्टल रोड पर रविवार तड़के एक तेज रफ्तार बीएमडबलू भीषण हादसे का शिकार हो गई. लोटस जेट्टी के पास हुए इस हादसे में कार सवार 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसा सुबह करीब 5=20 बजे लाला कॉलेज के सामने हुआ.

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के मुताबिक, बीएमडबलू मरीन ड्राइव से हाजी अली की ओर जा रही थी. इसी दौरान कथित तौर पर तेज रफ्तार के कारण चालक ने कार पर नियंत्रण खो दिया और यह दुर्घटनाग्रस्त हो गई. हादसे के बाद बीएमडबलू में सवार चारों लोगों को तत्काल नायर अस्पताल पहुंचाया गया. नायर अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अनुसार, शनाय गजल (21) और धीरिया सेठ (17) को मृत घोषित कर दिया गया. इसके अलावा एक अज्ञात 25 वर्षीय युवक की भी मौत हो गई. वहीं, एक अज्ञात 20 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल है और उसे अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कराया गया है. यह हादसा ऐसे समय हुआ है, जब कुछ दिन पहले ही मुंबई पुलिस ने कोस्टल रोड की सुरंग में लग्जरी और तेज रफ्तार वाहनों की कथित रेसिंग से जुड़े एक वायरल वीडियो का संज्ञान लिया था.

जब आसमान में गरजा तेजस, भारत-जापान के एयर चीफ ने भरी उड़ान

नई दिल्ली (आरएनएस) आसमान में तेजस गरजा और जोधपुर की धरती पर दोस्त जापान ने महसूस की भारत की हवाई ताकत। रविवार को भारत के एयर चीफ अमर प्रीत सिंह और जापान के एयर चीफ जनरल ताकेहिरो मोरीता ने तेजस में उड़ान भरी। जोधपुर का आसमान इस खास पल का गवाह बना। यह सिर्फ एक उड़ान नहीं, बल्कि भारत-जापान के बढ़ते हवाई तालमेल की तस्वीर थी।

दरअसल इन दिनों भारत और जापान की वायु सेनाएं संयुक्त हवाई अभ्यास 'वीर गार्जियन 2026' को अंजाम दे रही हैं। इस के तहत युद्ध जैसी परिस्थितियों में दोनों वायुसेनाएं अपनी हवाई युद्धक क्षमताओं को परख रही हैं। यह अभ्यास अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इस दौरान दोनों देशों के लड़ाकू विमानों ने एयर स्ट्राइक से जुड़े कई अभियानों का अभ्यास किया है।

जापान के एयर चीफ जनरल ताकेहिरो मोरिता और भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरी है। रविवार को दोनों देशों के वायुसेना प्रमुख तेजस विमान में सवार हुए। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने तेजस में अकेले उड़ान भरी। वहीं, जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल ताकेहिरो मोरिता ने भी जोधपुर एयर फोर्स स्टेशन से तेजस में उड़ान का अनुभव लिया। यह उड़ान दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा और हवाई सहयोग की एक खास तस्वीर पेश करती है।

भारत-जापान का बढ़ता भरोसा

दोनों देशों के वायुसेना प्रमुखों की ओर से भारतीय के तेजस लड़ाकू विमान को उड़ाना भारत और जापान के बीच बढ़ते विश्वास का भी प्रतीक है। यह मौका इसलिए भी खास रहा क्योंकि 'वीर गार्जियन 2026' में पहली बार जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के लड़ाकू विमान भारत में इस संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास का हिस्सा बने हैं। अभ्यास में भारतीय वायुसेना के स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस के अलावा सुखोई-30 एमकेआई और राफेल जैसे अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमानों शामिल हैं ।

इमरान खान की बहन लाहौर से गिरफ्तार=भाई की रिहाई के लिए प्रदर्शन करने वाली थीं

इस्लामाबाद (आरएनएस) पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की बहन अलीमा को रविवार को लाहौर स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। वह इमरान की रिहाई की मांग को लेकर 27 सितंबर को होने वाले के प्रदर्शन में शामिल होने वाली थीं। इससे एक दिन पहले शनिवार को अडियाला जेल में इमरान खान का मेडिकल चेकअप किया गया था। जियो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि डॉक्टर की अगुआई में उनकी जांच हुई। इसमें ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और आंखों की जांच की गई।

18 अगस्त को पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने इमरान को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल भेजने का

आदेश दिया था। हालांकि, उन्हें पाकिस्तान के बड़े सरकारी मेडिकल अस्पताल ले जाया गया। मेडिकल टेस्ट के बाद उन्हें वापस अडियाला जेल भेज दिया गया था।

अलीमा खानुम की गिरफ्तारी से पहले इस्लामाबाद पुलिस चार कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में ले चुकी है। डॉन के मुताबिक, पुलिस का कहना है कि इन लोगों को 27 सितंबर के प्रदर्शन की तैयारी से जुड़ी एक बैठक के बाद गिरफ्तार किया

हामिद अंसारी की टिप्पणी पर इमाम इलियासी ने जताई कड़ी आपत्ति

'देश का माहौल खराब करने की साजिश'

नई दिल्ली (आरएनएस) पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी की हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता टिप्पणी पर ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख इमाम उमर अहमद इलियासी ने आपत्ति जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि हामिद अंसारी मुसलमानों के नाम की सियासत करना चाहते हैं। साथ ही, उन्होंने अंसारी के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि देश का माहौल खराब करने की एक बड़ी साजिश रची जा रही है।

इमाम उमर अहमद इलियासी ने कहा, मैं मुसलमानों के बारे में हामिद अंसारी के बयान की कड़ी निंदा करता हूं। हामिद अंसारी अब मुसलमानों के नाम पर राजनीति करना चाहते हैं, लेकिन जब वे बड़े-बड़े पदों पर बैठे थे, तब उन्हें मुसलमान याद नहीं आए। आज उन्हें मुसलमान याद आ रहे हैं। उन्होंने कहा, आज जब मुसलमान उनके बारे में नहीं पूछ रहे हैं, तो उन्हें लगता है कि उन्हें मुसलमानों के नाम पर राजनीति करनी चाहिए। लेकिन मुसलमान समझदार हैं। वे इस तरह के बयानों और उनकी मंशा को समझते हैं। हामिद अंसारी की टिप्पणी पर अहमद इलियासी ने कहा, मुझे यह देश का माहौल खराब करने की कोई साजिश नजर आती है। कोई भी मुसलमान उनके बयान से सहमत नहीं है। आज वो जिस तरह की भाषा बोल रहे हैं, उन्हें अपना नजरिया बदलना चाहिए। उनका नजरिया बदलेगा तो नजारा बदल जाएगा। मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, अगर भारत में हिंदू बहुसंख्यक न होते, तो भारत न सेकुलर होता और न ही पंथनिरपेक्ष होता। भारत सेकुलर और पंथनिरपेक्ष देश इसलिए है, क्योंकि यहां हिंदू बहुसंख्यक हैं, जिनकी मान्यताएं और संस्कृति सहनशीलता और सर्वे भवन्तु सुखिन:, सर्वे सन्तु निरामय: की है। उन्होंने कहा, जब बंटवारा हुआ, तो दो देश बने। एक भारत, जहां हिंदू बहुसंख्यक थे और दूसरा पाकिस्तान, जहां

मुसलमान बहुसंख्यक थे। हिंदू बहुसंख्यक देश ने सेकुलरिज्म और पंथनिरपेक्ष का रास्ता चुना, जबकि मुस्लिम बहुसंख्यक देश ने इस्लामिक राष्ट्र का झंडा बुलंद किया। दोनों में बुनियादी फर्क है। हामिद अंसारी की टिप्पणी पर कहा, ऐसी बातें कहने वालों को यह भी समझना चाहिए कि अगर भारत हिंदू बहुसंख्यक देश न होता, यानी हिंदू आबादी वाला देश न होता, तो यह सेकुलर और पंथनिरपेक्ष देश नहीं बन पाता, तो मुस्लिम समुदाय का कोई व्यक्ति राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति नहीं बन पाता।

दैनिक क्षितिज किरण

आवश्यकता है

जबलपुर जिले में

संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की

स्थानीय स्तर पर कार्य करने का अवसर

समाज से जुड़े, पहचान बनाएं

जुड़ें और बनें अपने क्षेत्र की आवाज हमारे साथ

संपर्क करें 9425025999 एवं 9098362770

संपर्क करने का समय | सुबह 9.00 बजे से 12.00 बजे तक | शाम 5.00 बजे से 8.00 बजे तक

फूटाताल पानी की टंकी के पास बन गया कचरा डंपिंग जोन

जबलपुर (निप्र)। जबलपुर शहर के बीचो-बीच स्थित फूटा ताल पानी की टंकी फूटा ताल ग्राउंड के पास कचरा इतना हो गया है कि वहां पर आवारा पशु कचरे का सेवन करते जा रहे हैं जो उनके स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक बना हुआ है फिर भी यह किसी को नजर नहीं आ पा रहा है यह उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और इतनी बड़ी तादाद में कचरा यहां पर होना आसपास के रह वासियों के लिए भी मुसीबत बनता जा रहा है स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां पर लोग कचरा फेंक जाते हैं गाड़ी प्रॉपर कचरा उठ नहीं पता जिससे बहुत दुर्गंध हो जाती है जबलपुर स्वच्छता सर्वेक्षण में पांचवें स्थान पर है लेकिन फिर भी कहीं-कहीं बहुत बड़ी तादाद में डंपिंग जोन बन गए हैं पानी की टंकी के पास होना इसलिए भी हानिकारक क्योंकि कचरे के वायरस पानी की टंकी में भी जा सकते हैं

अमर शहीद राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह जी के 169 वें बलिदान दिवस पर प्रदेश अध्यक्ष ने की पुष्पांजलि अर्पित

जबलपुर (निप्र)। मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ अजाक्स के जिला अध्यक्ष योगेश चौधरी ने बताया है कि अमर शहीद महाराजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह जी की 169वीं पुण्यतिथि पर म.प्र. अजाक्स संभाग जबलपुर द्वारा माननीय संतोष वर्मा जी* द्वस प्रांताध्यक्ष म.प्र.अजाक्स के मुख्य आतिथ्य में स्थानीय सर्किट हाउस जबलपुर में बैठक, एवं कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बैठक में माननीय संतोष वर्मा जी द्वस प्रांताध्यक्ष म.प्र.अजाक्स, सम्माननीय श्री अजय सोनकर प्रांतीय उपाध्यक्ष,श्री राजवीर अग्निहोत्री जी प्रांतीय महासचिव, श्री सोहन लाल चौधरी प्रांतीय संयुक्त सचिव,श्री जे एस धुर्वे प्रांतीय संयुक्त सचिव, श्री योगीराज प्रांतीय संयुक्त सचिव,श्री विनोद सिंह बट्टी जी जिला अध्यक्ष भोपाल इसमें बंशीलाल अहिरवार जिला अध्यक्ष नरसिंहपुर, श्री अरविन्द सिंह धुर्वे जिलाध्यक्ष कटनी, बिहारी सिंह परसते जिलाध्यक्ष डिंडोरी, श्री आर. एस.मरावी जिलाध्यक्ष मंडला, एवं जिले से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर की टीम सहित सभी प्रांतीय,संभागीय, जिला तहसील, ब्लॉक पदाधिकारियों का अजाक्स जबलपुर टीम द्वारा भव्य स्वागत एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।बैठक का आयोजन विशेष रूप से श्री राजेंद्र सिंह तेकाम जी संभागीय अध्यक्ष एवं श्री योगेश चौधरी जी जिला अध्यक्ष जबलपुर के विशेष सहयोग से आयोजित की गइ बैठक के दौरान माननीय प्रांत अध्यक्ष महोदय श्री वर्मा जी द्वारा जबलपुर संभाग सहित सम्भाग अंतर्गत सभी जिलों की संभाग स्तरीय समीक्षा की गई,एवं संगठनात्मक गतिविधियों को सुचारू संचालन व संगठन में नए सदस्यों को जोड़ने सहित समाज एवं कर्मचारियों की विभिन्न मांगों व समस्याओं को शासन एवं प्रशासन स्तर पर उचित माध्यम से त्वरित पहुंचाने एवं संगठित रूप से सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ मिलकर कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में स्थानीय पदाधिकारी जिनमें अजय सोनकर, राजेन्द्र तेकाम, योगेश चौधरी, राकेश समुन्द्रे, सुभाष खंडारे,दालचंद पासी, नेतराम झारिया, राजू मस्के,भी देवराज, विजय दाहिया, किशोरी मरकाम, नन्हे सिंह प्रधान, सुरेन्द्र महोबिया, विजय बैंगा, घनश्याम अहिरवार, हरिश्चंद्र महोबिया, नरेंद्र मरावी, मुकेश मेहरा, दिनेश बागरी, राजेन्द्र मठधारी,रवि कोष्टा, विजय भूरा,महेंद्र चौधरी,सुनील चौधरी, धर्मेंद्र कुकरेले,एम अप्पा राव, सुखदेव झारिया, बाल कृष्ण उईके, पवन बावरिया, भान सिंह तेकाम,सुनील रैकवार, रमेश पहलवान, कांसीराम धुर्वे, के के गोटियां,जशवंत करोशिया, प्रशांत राव, अश्विनी सोनकर, अनिकेत चौधरी,छोटू दाहिया आदि उपस्थित थे। समीक्षा बैठक के उपरांत सभी पदाधिकारियों ने प्रतिमा स्थल महाराजा शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह जी की प्रतिमा पर कार्यक्रम में सम्मिलित होकर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की।

सेवा संकल्प अभियान - 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर स्कूलों में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित

जबलपुर (निप्र)। जबलपुर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज शनिवार को जिले के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और चित्रों एवं भाषण के माध्यम से अपने सपनों के भारत की कल्पना प्रस्तुत की।

अभियान के तहत उत्कृष्ट विद्यालय पनागर में आयोजित मेरे सपनों का भारत चित्रकला प्रतियोगिता में विधायक श्री सुशील कुमार तिवारी 'इंदू' मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा प्रमाण पत्र प्रदान किये। इसके साथ ही मेडिकल स्थित सांदीपनि विद्यालय सहित कई और शालाओं में भी 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा और विचारों को प्रस्तुत किया।

चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, जबकि अन्य प्रतिभागियों को कलेक्टर राघवेंद्र सिंह द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। एक माह के सेवा संकल्प अभियान के तहत शैक्षणिक संस्थाओं में मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता 19 सितंबर से 26 सितंबर तक जिला स्तर पर तथा राज्य स्तर पर 4 और 5 अक्टूबर को आयोजित की जायेगी।

शिवनगर में बह रही ज्ञान अध्यात्म और संस्कार की त्रिवेणी

जबलपुर (निप्र)। दशलक्षण महापर्व का पावन अवसर और संतशिरोमणी आचार्य भगवन श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य और परम्पराचार्य अध्यात्म शिरोमणी आचार्य भगवंत श्री समय सागर जी महाराज के कृपा पात्र प.पू मुनिवर श्री निष्कम्प सागर जी, प.पू.मुनिवर श्री निष्काम सागर जी महाराज और प.पू.छुल्लक श्री मगन सागर जी महाराज का सानिध्य शिवनगर वासियों के लिए सौभाग्य को दिन दूना उत्तरोत्तर उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

प्रतिदिन प्रात: 5~30 बजे से रात के 7 कब बजे रहे हैं पता ही नहीं चलता, ध्यान योग और संगीत मय पूजन उपरांत पूज्य मुनिसंघ की मंगल देशना, दोपहर में पुन: अध्यात्म की क्लास और संध्याकालीन सत्र में आचार्य भक्ति प्रश्न मंच के माध्यम से सुधी जन लाभ ले रहे हैं। तीन सौ से चार सौ शिविरार्थी एक साथ सामूहिक धर्म लाभ ले रहे हैं।मंदिर समिति और चातुर्मास धर्म प्रभावना समिति एवं शिविर के ब्यबस्थापक हर संभव ब्यबस्था सम्हाल रहे हैं। रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केन्द्र बने हैं।

जैविक हाट में नागरिकों ने खरीदे प्राकृतिक खेती से तैयार उत्पाद-बरगी विधायक नीरज सिंह ने की किसानों से चर्चा

जबलपुर (निप्र)। -किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से प्रत्येक रविवार को कृषि उपज मंडी, जबलपुर में आयोजित किए जा रहे साप्ताहिक जैविक हाट का आयोजन इस रविवार को भी किया गया। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजित जैविक हाट में जिले के जैविक खेती करने वाले किसानों ने अपने उत्पाद बिक्री के लिए रखे। रसायन मुक्त और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य सामग्री खरीदने के लिए नागरिकों की भीड़ रही। इस रविवार को बरगी विधायक श्री नीरज सिंह ने भी कृषि उपज मंडी पहुंचकर जैविक हाट का भ्रमण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों से चर्चा की और उनके उत्पादों की जानकारी ली। कृषि अधिकारियों ने भी किसानों और उपभोक्ताओं से संवाद कर प्राकृतिक खेती के महत्व और स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी।

जैविक हाट में नींबू, परवल, केला, पपीता सहित विभिन्न प्रकार की जैविक सब्जियां एवं फल, अनाज, मक्का और दूध से बने उत्पाद उपलब्ध रहे। इसके अलावा मिलेट्स आटा, कुकीज, अचार और अन्य मूल्य संवर्धित उत्पाद भी बिक्री के लिए रखे गए। नागरिकों ने इन उत्पादों की खरीदारी की, जिससे किसानों को उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य मिला। जैविक हाट के सफल आयोजन की जिम्मेदारी इस बार सिहोरा कृषि विभाग की थी। हाट का संचालन अनुविभागीय कृषि अधिकारी मनीषा पटेल एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जे एस राठौर ने किया। आयोजन को सफल बनाने में कृषि विस्तार अधिकारी मीना जाटव, साक्षी तिवारी, प्राची बर्मन, अदिति सिंह, काजल पांडे, सुमित पाटकर, अदिति राजपूत एवं शरद दाहिया, ऐटीएम साहब पटेल एवं साक्षी ओझा का योगदान रहा।

79वें संत समागम की सेवाओं का मंगलमय आगाज सेवा बनी समर्पण की साधना, हर हृदय से हो सेवा और मानवता का शुभारम्भ - निरंकारी राजपिता रमित जी

जबलपुर (निप्र)। विविधताओं से सजे इस संसार में हमारे रूप, भाषाएँ और जीवन-शैलियाँ भले ही अलग हों, किंतु इन बाहरी भिन्नताओं के पीछे बसने वाली चेतना एक ही है। हम सभी इसी परमात्मा की संतान हैं, जिन्हें सतगुरु ने प्रेम के के अदृश्य अदृश्य सूत्र में बाँधकर मानवता को एकता का संदेश दिया है। संत निरंकारी मिशन इसी भावना को %वसुधैव कुटुम्बकम - समस्त संसार एक परिवार के रूप में जीवन्त कर रहा है, जहाँ प्रेम केवल विचार नहीं, बल्कि जीवन जीने की शैली को दर्शाता है।

79वां वार्षिक निरंकारी संत समागम परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में 23 से 26 अक्टूबर 2026 तक संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा, हरियाणा में श्रद्धा और हर्षा ल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा, जिसमें आत्मिक चेतना और मानव-एकता के संदेश को हृदय में संजोए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु भक्त सम्मिलित होंगे। सतगुरु के दिव्य दर्शन एवं पावन प्रवचनों से श्रद्धालु आत्मिक शांति प्राप्त करते हुए अपने जीवन में प्रेम, सेवा, करुणा और मानवता के भाव को अपनाने की प्रेरणा प्राप्त करेंगे।

समागम की सेवाओं का शुभारम्भ आज श्रद्धा, समर्पण और सेवाभाव से परिपूर्ण वातावरण में हुआ। निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन कर कमलों

से सेवा स्थल का उ?द्घाटन किया गया। इस अवसर पर मिशन की कार्यकारिणी समिति, केंद्रीय सेवादल के अधिकारीगण तथा हजारों श्रद्धालु भक्तों ने प्रेम और निष्ठा के साथ सेवा में सहभागिता निभाई। संत निरंकारी मण्डल की अध्यक्ष आदरणीय राजकुमारी मामी जी एवं संत निरंकारी मण्डल के सचिव आदरणीय श्री जोगिन्दर सुखीजा ने पुष्प गुच्छ भेट कर निरंकारी राजपिता जी का हार्दिक अभिनंदन किया। यह पावन अवसर सेवा को साधना और समर्पण को जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा से ओत-प्रोत रहा।

79वें समागम की सेवाओं के शुभारम्भ अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए निरंकारी राजपिता जी ने सतगुरु माता जी के प्रेम एवं आशीर्वाद को संतों तक पहुंचाते हुए फरमाया कि संत समागम की सेवाओं का यह विशाल स्वरूप असंख्य संतों की निस्वार्थ सेवा, त्याग और समर्पण का परिणाम है। यह हमें प्रेरणा देता है कि हमारे जीवन में भी सेवा और परोपकार का भाव आए। मानव तन केवत अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के सुख-दु:ख में सहभागी बनने के लिए मिला है। सेवा में जब मैं का भाव समाप्त होकर हम का भाव आता है, तभी उसका वास्तविक अर्थ प्रकट होता है। सतगुरु का ज्ञान ही वह जागृति है, जो हमारी दृष्टि बदलकर हर मानव में निरंकार का स्वरूप देखने की प्रेरणा देता है। जब मानव, मानव से प्रेम और सत्कार करेगा, तो यह धरती और सुंदर बनेगी। सतगुरु से यही अरदास है कि हम मानव रूप में ही नहीं, बल्कि अपने कर्मों और व्यवहार से भी सच्चे मानव बन सकें।

इस वर्ष संत समागम का शीर्षक जागृति है, जो मनुष्य को बाहरी संसार से हटकर अपने भीतर झाँकने और अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने की प्रेरणा देता है। सतगुरु माता जी ने भी कहा है कि जागरूक और चेतन होकर भक्त हर पल भक्ति में लीन रहते हैं। जागृति का अर्थ किसी नई बात का अचानक बोध होना नहीं, बल्कि हर क्षण अपने भीतर सजग और सचेत रहना है। संसार में रहते हुए भी उसके प्रभाव से स्वयं को बचाये रखना और हर परिस्थिति में प्रभु स्मरण से जुड़े रहना ही सच्ची जागृति है।

निसंदेह निरंकारी संत समागम किसी धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि मानवता और सत्य के प्रकाश को आगे बढ़ाने वाले प्रत्येक हृदय का संगम है। यहाँ सेवा के माध्यम से इंसानियत और आध्यात्मिकता का दिव्य मिलन होता है, हजारों हाथ सेवा में और लाखों हृदय प्रेम में जुड़ते हैं तथा विविधता के बीच एकत्व का संदेश साकार रूप

नीमच में शीघ्र शुरू होगा एयरपोर्ट, सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम का होगा निर्माण- मुख्यमंत्री

आगामी वर्षों में साढ़े तीन लाख से अधिक शासकीय भर्तियां की जाएंगी-'आशीर्वाद का दीया' सनातन परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक

भोपाल (आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नीमच में शीघ्र ही एयरपोर्ट बनाया जायेगा। साथ ही खेल सुविधाओं में विस्तार के लिये सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम बनाया जायेगा। प्रदेश में पिछले ढाई वर्षों में एक लाख से अधिक भर्तियां की गई हैं। आगामी ढाई वर्षों में साढ़े तीन लाख से अधिक भर्तियां और की जायेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज नीमच के अग्रोहा भवन में आयोजित सेवा से संकल्प अभियान के अभिनंदन कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी और देश को विकास के पथ पर आगे ले जाने में उनके योगदान का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में सेवा से संकल्प अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत सभी जिलों में सेवा, जनभागीदारी और जनकल्याण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि संकल्प से ही शक्ति और विकास का मार्ग प्रशस्त होता है तथा प्रदेश सरकार इसी भावना के साथ निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीमच के विकास, नागरिकों के जुझारूपन और उद्यमशीलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को आयोजित 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम सनातन परंपरा और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश का शिक्षा बजट लगभग 5 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 38 हजार करोड़ रुपये तथा प्रदेश का कुल बजट बढ़कर 4 लाख 48 हजार करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में ड्रॉपआउट रेट शून्य होने को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय एक लाख 70 हजार रुपये से अधिक हो गई है तथा बिजली उत्पादन 32 हजार मेगावॉट से अधिक पहुंच गया है। वर्ष 2002 में प्रदेश में लगभग 5 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि वर्तमान में 33 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, जिनमें करीब 8 हजार सीटें उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में विगत वर्षों में 5 लाख किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण हुआ है तथा प्रमुख शहरों की कनेक्टिविटी एक्सप्रेस-वे के माध्यम से बेहतर की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल सुविधाओं के विस्तार से जिले के युवाओं और प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज चीता प्रोजेक्ट के तहत नीमच के खिमला क्षेत्र में मादा चीता को छोड़ा जा रहा है। उन्होंने इसे जिले के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विश्व के अग्रणी देशों की कतार में है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है तथा न्यायपालिका एवं संवैधानिक संस्थाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं समझौतों में भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों और किसानों के हितों को प्राथमिकता दी है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की वैश्विक भूमिका निरंतर मजबूत हुई है और देश प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहा है।

विधायक ी दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि जिले में 2 लाख से अधिक दीप प्रज्ज्वलित कर सेवा से संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का नीमच को विभिन्न सौगातें देने तथा चीता प्रोजेक्ट के तहत नीमच को चयनित करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने गांधी सागर बांध के पानी से किसानों को मिल रहे लाभ और कृषि क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलाव का भी उल्लेख किया।

विधायक अनिरुद्ध माधव मारू ने कहा कि भारत विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चोपड़ा एवं श्री वंदन खंडेलवाल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने अभियान में सहभागी नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों एवं विभिन्न संगठनों की सराहना की।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जन सिंह चौहान, आयुक्त उज्जैन संभाग श्री आशीष सिंह,पुलिस महानिरीक्षक श्री राकेश गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय निशानेबाज सुश्री इलावेनिल वलारिवन को दी बधाई

भोपाल -मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एशियन गेम्स-2026 में महिला 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीतने पर भारतीय निशानेबाज इलावेनिल वलारिवन को हार्दिक बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर कहा कि हमारी बेटी की यह शानदार उपलब्धि देश की करोड़ों बेटियों के लिए प्रेरणा है। सुश्री इलावेनिल वलारिवन की प्रतिभा, मेहनत और सफलता ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री ने सुश्री वलारिवन को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यही कामना है कि वे इसी तरह देश का नाम रोशन करती रहें।

'नीलबड़ के राजा' की भव्य झांकी बनी आकर्षण का केंद्र, प्रतियोगिताओं के बाद महाआरती में उमड़े श्रद्धालु

12 दिवसीय गणेशोत्सव में रोजाना हो रहे विविध आयोजन

भोपाल (संदीप पंडा) शिवविहार कॉलोनी में इन दिनों गणेशोत्सव की धूम है। यहां विराजित 'नीलबड़ के राजा' की भव्य एवं आकर्षक झांकी श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। दर्शन के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। 12 दिवसीय गणेशोत्सव के तहत लगातार आयोजित हो रहे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों से कॉलोनी में उत्सव और भक्ति का माहौल बना हुआ है।

गणेशोत्सव के तहत 19 सितंबर को आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पुरस्कार वितरण के अवसर पर प्रतिभागियों के परिजन एवं बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी उपस्थित रहे। वहीं 20 सितंबर को भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। इसमें शिवविहार कॉलोनी के रहवासियों के साथ गणेश उत्सव समिति के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। सामूहिक आरती के दौरान गणपति बप्पा के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गणेश के दर्शन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। समिति के सदस्यों के अनुसार इस वर्ष गणेशोत्सव को भव्य स्वरूप देने के लिए करीब तीन माह पूर्व से तैयारियां शुरू कर दी गई थीं। हर वर्ष आयोजन को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जाता है। इस बार 'नीलबड़ के राजा' की प्रतिमा पिछले वर्षों की तुलना में अधिक विशाल एवं आकर्षक है। सुबह और शाम होने वाली आरती में भी श्रद्धालुओं की लगातार सहभागिता बनी हुई है। आगामी दिनों में भी विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पाइप के अंदर जाकर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ऐसे किया निरीक्षण, चंबल-कोतवाल परियोजना के ग्रांउड जीरों पर केंद्रीय मंत्री ने दिखाया गजब एक्शन

ग्वालियर (आरएनएस) एमपी ग्वालियर-चंबल अंचल की पेयजल जरूरतों को लेकर चंबल-कोतवाल जल परियोजना पर काम तेज हो गया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने परियोजना निर्माण स्थलों का ग्राउंड जीरो पर निरीक्षण किया। उन्होंने कोतवाल डैम, निर्माणाधीन इंटेक वेल, सांक नदी पर बन रहे पाइपलाइन ब्रिज और बानमोर क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाने के काम की प्रगति देखी।

सिंधिया ने अधिकारियों से परियोजना की मौजूदा स्थिति की जानकारी ली और 31 मार्च 2027 की समयसीमा के भीतर काम पूरा करने पर जोर दिया। एक साइड पर सिंधिया ने गजब अंदाज दिखाया और निर्माणाधीन पाइप के अंदर जाकर ?चेक करना शुरू कर दिया। पाइप के अंदर पहुंचे सिंधिया तो मौके पर हर कोई देखता रह गया। ग्राउंड जीरो पर केंद्रीय मंत्री ने निर्माण की हकीकत खुद परखी और अधिकारियों से काम की रफ्तार का अपडेट लिया।

बता दें कि, 458 करोड़ रुपये की इस परियोजना के तहत चंबल नदी और कोतवाल डैम से पानी लेकर ग्वालियर के मोतीझील स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तक पहुंचाया जाएगा। लक्ष्य रोजाना 150 मिलियन लीटर अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराने का है।

नदियों के ऊपर से गुजरेगी पाइपलाइन

परियोजना में सबसे महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग चुनौती रास्ते में आने वाली नदियां हैं। पाइपलाइन को क्वारी, सांक और आसन नदी के ऊपर से ले जाने के लिए विशेष ब्रिज और डक्ट तैयार किए जा रहे हैं। हालिया निरीक्षणों में भी इन निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई है। सिंधिया ने सांक नदी पर बन रहे पाइपलाइन ब्रिज का भी निरीक्षण किया और निर्माण एजेंसियों से काम की गति बढ़ाने को कहा।

सिंचाई और पूरे अंचल के विकास पर जोर

सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर-चंबल संभाग में सिर्फ पेयजल ही नहीं, बल्कि सिंचाई और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने ग्वालियर, मुरैना, भिंड, श्योपुर और दतिया को दीर्घकालीन विकास योजनाओं से जोड़ने की बात कही।

अब अभयारण्य में हुए चार चीतें-राधा अष्टमी के उपलक्ष्य में किया मादा चीता का नामकरण राधा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गांधी सागर अभयारण्य में छोड़ी मादा चीता राधा

भोपाल (आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को नीमच-मंदसौर जिले के गांधी सागर वन्य अभयारण्य में मादा चीता राधा को छोड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा राधा अष्टमी के उपलक्ष्य में मादा चीता का नामकरण राधा किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रारंभ हुआ चीता प्रोजेक्ट सफलता के नये मानदण्ड स्थापित कर रहा है। वहीं मध्यप्रदेश में विलुप्त हो चुके वन जीवों को पुर्नस्थापित करने का कार्य किया जा रहा है। गत वर्ष छोड़े गये चीतें पूरी तरह स्वस्थ है। गांधी सागर अभयारण्य में एक और चीते का छोड़ जाना मध्यप्रदेश में प्रोजेक्ट चीता के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मादा चीता राधा के गांधी सागर पहुंचने के बाद यहां चीतों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। अभयारण्य में पहले से दो नर चीते प्रभास और पावक तथा एक मादा चीता धीरा मौजूद हैं। अब गांधी सागर में दो नर और दो मादा चीते हो गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में चीता प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है, प्रदेश में चीतों की बढ़ती हुई संख्या इसका प्रमाण है। हमारा सौभाग्य है मध्यप्रदेश वन्यजीवों की विविधता से भरपूर है। हमारा प्रदेश चीता स्टेट के साथ टाइगर स्टेट, घड़ियाल स्टेट और गिद्ध स्टेट के रूप में भी जाना जाने लगा है। असम से जंगली भैंसे भी लाएं गए हैं और प्रदेश में गजराज की संख्या भी लगभग 100 हो गई है। गांधी सागर अभयारण्य में छोड़े गए चीतों से वन्यजीव संरक्षण के साथ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय नागरिकों के लिये रोजगार एवं आजीविका के लिये नये अवसर सृजित होंगे। गांधी सागर अभयारण्य में चीता संरक्षण का दायरा और बढ़ाया गया है, मादा चीता राधा को गांधी सागर में बसाया जाना मध्यप्रदेश में प्रोजेक्ट चीता को कूनो से आगे विस्तार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गांधी सागर को चीतों के लिए दूसरे प्रमुख आवास के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां चीतों के स्वास्थ्य, व्यवहार और नये वातावरण में उनके अनुकूलन की लगातार निगरानी वन विभाग की टीम द्वारा की जाएगी। नई मादा चीता के आने से गांधी सागर में चीतों के संरक्षण और भविष्य में चीता प्रजनन की संभावनाओं को और भी तेजी से बढ़ाने का प्रयास किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन विभाग द्वारा प्रकाशित सेकंड होम ऑफ चीता गांधी सागर वाइल्डलाइफ सेंचुरी बुकलेट का भी विमोचन किया। चीता पुनर्स्थापना के चार वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित इस कार्यक्रम में गरोठ विधायक चन्दर सिंह सिसोदिया, मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारू और मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव डॉ. समिता राजौरा भी उपस्थित थे।

मैहर में 21 सितंबर से 1 अक्टूबर तक मेंटेनेंस के लिए दामोदर रोपवे से सेवा बंद, वैकल्पिक साधन उपयोग करना होगा

मैहर में माता के भुवन तक पहुंचने चढ़नी पड़ेंगी 1063 सीढ़ियां

मैहर (आरएनएस) विश्व प्रसिद्ध मां शारदा देवी धाम में आगामी शारदीय नवरात्र मेले को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने एक अहम फैसला लिया है। मेले के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और तकनीकी व्यवस्थाओं को पुख्ता करने के उद्देश्य से त्रिकूट पर्वत पर संचालित दामोदर रोपवे सेवा को 11 दिनों के लिए पूरी तरह बंद रखा जाएगा। आवश्यक मेंटेनेंस कार्य के चलते यह सेवा 21 सितंबर 2026 से 1 अक्टूबर 2026 तक स्थगित रहेगी। इस अवधि में मां शारदा के दर्शन के लिए आने वाले भक्तों को पैदल ही सीढ़ियां चढ़नी होंगी।

मंदिर प्रशासक व एसडीएम दिव्या पटेल ने जारी किया आदेश

शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति की प्रशासक और एसडीएम दिव्या पटेल ने इस संबंध में औपचारिक आदेश जारी किया है। दरअसल, रोपवे संचालक कंपनी दामोदर रोपवे इन्फ्रा लिमिटेड% (कोलकाता/मैहर) ने बीते 14 सितंबर को मंदिर प्रबंधन को पत्र लिखकर 11 दिनों के शटडाउन की अनुमति मांगी थी। कंपनी का कहना था कि नवरात्रि मेले में भारी भीड़ उमड़ती है, ऐसे में केबल, केबिन और अन्य तकनीकी उपकरणों की गहन जांच और मरम्मत बेहद जरूरी है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए प्रशासन ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

1063 सीढ़ियों की चढ़ाई या शारदा एक्सप्रेस वैन बनेगी सहारा

रोपवे बंद रहने के दौरान भक्तों को त्रिकूट पर्वत पर स्थित मंदिर तक पहुंचने के लिए 1063 सीढ़ियों का सफर पैदल तय करना होगा। हालांकि, बुजुर्गों, दिव्यांगों और बच्चों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शारदा एक्सप्रेस वैन सेवा निर्बाध रूप से चालू रखी जाएगी। श्रद्धालु वैन के जरिए पहाड़ी के निर्धारित पड़ाव तक पहुंच सकेंगे, जिसके बाद उन्हें मंदिर प्रांगण तक जाने के लिए केवल अंतिम हिस्से की थोड़ी सी दूरी ही पैदल नापनी होगी।

नवरात्रि से पहले चाक-चौबंद होंगी व्यवस्थाएं

प्रशासन और रोपवे प्रबंधन की कोशिश है कि 1 अक्टूबर तक मेंटेनेंस का सारा काम पूरा कर लिया जाए और सुरक्षा मानकों का विधिवत ट्रायल कर लिया जाए, ताकि नवरात्र के पावन पर्व पर जब श्रद्धालु उमड़ें, तो रोपवे का संचालन सुचारु और सुरक्षित ढंग से हो सके।

प्रशासन ने देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे 21 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच अपनी यात्रा की योजना बनाते समय इस बदलाव को ध्यान में रखें और वैकल्पिक साधनों के अनुसार अपनी तैयारी करें।

कांग्रेस हर जिले में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम आयोजित करेगी

'८00 दिन बचे हैं, अब शिक्षा पर काम कीजिए', जीतू पटवारी ने सीएम.मोहन यादव पर साधा निशाना

इंदौर (आरएनएस) मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान शिक्षा व्यवस्था और राजनीतिक हालात को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर जमकर निशाना साधा।

पटवारी ने सीएम से सस्ती शिक्षा सुनिश्चित करने की अपील करते हुए कहा कि उनके पास अब सिर्फ 800 दिन बचे हैं, इसलिए वे जनता से जुड़े असली मुद्दों पर काम करें। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि पूरे प्रदेश में छात्रों और अभिभावकों के साथ मिलकर छात्रों की गूंज कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

पटवारी ने मुख्यमंत्री को नसीहत देते हुए कहा कि यादव जी, आपसे विनम्र प्रार्थना है कि सस्ती एजुकेशन आपकी जवाबदारी है। आपके पास केवल 800 दिन बचे हैं और इस बीच भाजपा वाले ही आपको धक्का मारने में लगे हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को बिना समय बर्बाद किए शिक्षा पर काम करना चाहिए, क्योंकि कुर्सी के ये दिन कब निकल जाएंगे, पता भी नहीं चलेगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने घोषणा की कि आने वाले समय में मध्य प्रदेश के हर जिले में छात्रों की गूंज कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम कांग्रेस के बैनर तले नहीं होगा। इसमें अभिभावकों और छात्रों का सीधा सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार अब डरे और छात्रों से जुड़े असली मुद्दों पर काम करना शुरू करें। किसी का अपमान करना उद्देश्य नहीं, मिमिक्री सिर्फ मनोरंजन के लिए हालिया आयोजनों में मिमिक्री को लेकर उठे विवाद पर स्थिति स्पष्ट करते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि छात्रों की गूंज कार्यक्रम का उद्देश्य किसी भी व्यक्ति का अपमान करना या ठेस पहुंचाना नहीं है। उन्होंने कहा कि मंच पर कोई मिमिक्री आर्टिस्ट आता है, तो वह केवल दर्शकों के मनोरंजन के लिए होता है, इसे किसी अन्य रूप में नहीं लिया जाना चाहिए।

अशोकनगर में मूसलाधार बारिश से बाढ़ जैसे हालात, तेज बहाव में बहते-बहते बचा वाहन चालक

अशोकनगर (आरएनएस) मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले से मौसम की मार और डराने वाली तस्वीरें सामने आई हैं। जिले में शनिवार को हुई जोरदार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया, खासकर चंदेरी में तो इस सीजन की अब तक की सबसे तेज बारिश दर्ज की गई है। शाम के वक्त महज दो घंटे की मूसलाधार बारिश ने चंदेरी के ऐतिहासिक सदर बाजार और तंग गलियों में बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए। बारिश का पानी इतनी तेजी से और बड़ी मात्रा में सड़कों पर उतरा कि गलियां किसी बहती हुई नहर या नाले जैसी नजर आने लगीं।

सदर बाजार में 1 से डेढ़ फीट भरा पानी

चंदेरी के सदर बाजार की गलियों में एक से डेढ़ फीट तक पानी भर गया, जो देखते ही देखते लोगों की दुकानों के अंदर तक जा पहुंचा। पानी का बहाव इतना खतरनाक था कि सड़कों पर खड़े दोपहिया वाहन ताश के पत्तों की तरह तैरने और बहने लगे। इसी दौरान एक वाहन चालक तेज पानी के बहाव में संतुलन खो बैठा और बहने लगा। गनीमत यह रही कि मौके पर मौजूद सतर्क स्थानीय लोगों ने समय रहते उस युवक को और उसके वाहन को पकड़ लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इस पूरी खौफनाक घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि पानी का बहाव कितना तेज था।

खेतों में कटी पड़ी उड़द की फसल पर टूटा संकट का पहाड़

एक तरफ जहां शहर में बारिश ने बाढ़ जैसे हालात पैदा किए, वहीं अन्नदाता किसानों के माथे पर चिंता की गहरी लकीरें खींच दी हैं। इस साल मानसून में देरी के कारण जिले के अधिकांश तालाब खाली पड़े थे, जिससे जल स्त्रोतों के भरने की उम्मीद तो जगी है, लेकिन बेमौसम या अचानक हुई इस तेज बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है।

कई इलाकों में उड़द की फसल खेतों में कटकर कटी-पिटी पड़ी हुई है। पानी में भीगने के कारण उड़द की फसल को भारी नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है, जिससे किसान बेहद परेशान हैं।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

पुनर्विचार करने का वक्त

दुनिया में बदले समीकरणों के बीच एससीओ में प्रभावी देशों के साथ भारत के रुख की दूरी बढ़ती नज़र आई है। इसकी संभवत: सबसे प्रमुख मिसाल चीन की महत्त्वाकांक्षी योजना- बीआरआई है। शंघाई सहयोग संगठन की शिखर बैठक में कही गई बातों और बिशकेक घोषणापत्र पर गौर करें, तो अहसास होता है कि इस मंच पर भारत की उपस्थिति लगातार असहज होती जा रही है। अब अगले शिखर सम्मेलन की मेजबानी पाकिस्तान को मिली है। दोनों देशों के संबंध के मौजूदा हाल को देखते हुए सवाल उठता है कि क्या वहां होने वाली एससीओ की अनेक बैठकों में भाग लेने भारतीय प्रतिनिधि जाएंगे? वैसे भी दुनिया में बदले समीकरणों के बीच इस मंच में प्रभावी देशों के साथ भारत के रुख की दूरी बढ़ती नज़र आती है। इसकी संभवत: सबसे बड़ी मिसाल चीन की महत्त्वाकांक्षी योजना- बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) है। किर्गिजिस्तान की राजधानी में हुए शिखर सम्मेलन के बाद जारी साझा घोषणापत्र में भारत को फिर उस अनुच्छेद से खुद को अलग रखना पड़ा, जिसमें बीआरआई का समर्थन किया गया है। आठ सदस्य देशों- बेलारूस, ईरान, कजाखस्तान, किर्गिजिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान- ने बीआरआई के प्रति फिर अपना समर्थन जताया। साथ ही इसे यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन (ईएईयू) के साथ जोड़ने की बात भी कही गई। ईएईयू में प्रमुख भूमिका रूस की है। स्पष्टत: बीआरआई एससीओ के आर्थिक और आपसी जुड़ाव (कनेक्टिविटी) एजेंडे का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिखर सम्मेलन में कहा कि कनेक्टिविटी बढ़ाते समय देशों की प्रादेशिक संप्रभुता का ख्याल रखा जाना चाहिए। बीआरआई के तहत निर्मित 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा' पाकिस्तानी कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर से गुजरता है। इसके अलावा एससीओ में ईरान पर अमेरिका- इजराइल के हमले तथा फिलस्तीन के गज़ा में इजराइल की विनाशकारी कार्रवाई भी ऐसे मुद्दे हैं, जहां भारत का रुख एससीओ के बाकी देशों से अलग रहा है। यह अलगाव बिशकेक में भी जाहिर होता रहा। यह साफ है कि चीन, रूस, और ईरान की वैश्विक रणनीति में फिलहाल सामंजस्य बन गया है। बाकी सदस्यों को इस रणनीति पर कोई एतराज नहीं है, हालांकि उनमें से कुछ ने अमेरिकी खेमे के साथ भी अपने दांव जोड़ रखे हैं। स्पष्टत: भारत के लिए यह पुनर्विचार करने का वक्त है कि एससीओ से उसकी क्या अपेक्षाएं हैं और क्या वे पूरी हो रही हैं?

सत्ता से संघर्ष तक: ममता बनर्जी का राजनीतिक यथार्थ

ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छात्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में घोर राजनीतिक व कानूनी संकटों से घिरने तक की एक बड़ी दास्तान है। जो 'दीदी' कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढहाने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी पर मुश्किलों के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं- पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी। खुद ममता बनर्जी को भी अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी। राजनीति

15 साल तक राज्य पर राज करने के बाद सत्ता से बाहर होना उनके राजनीतिक पतन की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरा, ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत हमेशा उनकी पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ थी। लेकिन वर्तमान में टीएमसी के भीतर एक बड़ी बगावत छिड़ गई है। कई विधायकों और सांसदों ने अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव और पार्टी में तानाशाही रवैये को लेकर बगावती रुख अख्तियार कर लिया है, जिससे पार्टी दो फाड़ होने की कगार पर पहुंच गई है। तीसरा, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा कानूनी और भावनात्मक झटका तब लगा जब चुनाव आयोग ने पार्टी में आंतरिक विवाद के कारण तृणमूल कांग्रेस के नाम और उनके प्रसिद्ध चुनाव चिह्न 'जोड़ा फूल' को फ्रीज (रोक लगा दी) कर दिया। आयोग ने दोनों गुटों को अस्थाई रूप से नए नाम और सिंबल दिए हैं। ममता बनर्जी ने इसे भारतीय लोकतंत्र का 'काला दिन' बताया है और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। चौथा, सत्ता से हटते ही ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है- चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने के आरोप में उनके खिलाफ कोलकाता और सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज की गई हैं।

अगस्त 2026 में कोलकाता में छात्र संगठन (टीएमसीपी) की रैली के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में भी पुलिस ने उन पर मामला दर्ज किया है। उनकी पिछली सरकार पर एक विज्ञापन एजेंसी को रु. 635 करोड़ से अधिक का टेंडर देने में गड़बड़ी जैसे भ्रष्टाचार के नए आरोप लग रहे हैं। पांचवां, ममता बनर्जी ने हमेशा खुद को जनता की लड़ाई लड़ने

वाली और महिलाओं के अधिकारों की रक्षक के रूप में पेश किया था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राज्य में हुए महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर उनके विवादित बयानों और भ्रष्टाचार के मामलों (जैसे शिक्षक भर्ती घोटाला आदि) ने उनकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया। जनता में पैदा हुए इसी आक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। संघर्ष की नायिका का वर्तमान रुख, इन सब मुश्किलों के बावजूद, 17 साल की उम्र में दूध के बूथ और स्टेनोग्राफर का काम करके अपने परिवार को संभालने वाली ममता बनर्जी ने हार मानने से साफ इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे राजनीतिक संन्यास नहीं लेंगी और वे इस 'गंदे खेल' के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लड़ाई जारी रखेंगी। आगामी उपचुनावों के लिए उन्होंने रणनीति बदलते हुए कांग्रेस उम्मीदवारों को समर्थन देने की घोषणा भी की है।

भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है। तीन दशकों से अधिक लंबे वामपंथी शासन को उखाड़ फेंकने वाली दीदी ने पूरे पंद्रह वर्षों तक पश्चिम बंगाल की सत्ता पर एकछत्र राज किया। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा है कि वही जुझारू नेत्री आज अपनी ही राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली पराजय, दल के भीतर भड़की बगावत, चौतरफा वैधानिक कार्यवाहियों का शिकंजा और दल की मूल पहचान यानी नाम तथा चुनाव चिह्न का छिन जाना, इन सबने मिलकर उनके समक्ष अस्तित्व रक्षा की अभूतपूर्व चुनौती खड़ी कर दी है। हाल के विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक बड़े मोड़ के रूप में सामने आए।

नई पीढ़ी को नरेंद्र मोदी से मिले उड़ान के लिए पंख

पी.वी. सिंधु

क्या होता अगर दस साल पहले कोई भारतीय युवा लड़की कहती कि उसे रॉकेट बनाना है। उसे इसरो में शामिल होकर नहीं, बल्कि अपना खुद का रॉकेट बनाना है। ऐसी स्थिति में शायद उसके आसपास के लोग खामोश रह जाते। फिर कोई बहुत सहानुभूति से उसे समझाता कि यह उसके बस की बात नहीं है। वह समझाता की अंतरिक्ष पर सिर्फ सरकार का हक होता है। इतने बड़े सपने तो दूसरे देशों के लोगों के लिए होते हैं।

18 जुलाई, 2026 को एक प्राइवेट भारतीय कंपनी का बनाया रॉकेट अंतरिक्ष की कक्षा में पहुंच गया। इस रॉकेट को स्काईरूट ने बनाया था, जिसकी बुनियाद दो नौजवान इंजीनियरों ने रखी थी। दोनों ने अपने सुरक्षित काम छोड़ कर इस लगभग नामुमकिन सपने को सच करने की ठान रखी थी। स्काईरूट की इस कामयाबी के साथ ही भारत दुनिया के उन सिर्फ तीन देशों में शामिल हो गया जहां किसी आम नागरिक की प्राइवेट कंपनी अंतरिक्ष तक पहुंच सकती है। इस कामयाबी को हासिल करने वाले बाकी दो देश अमेरिका और चीन हैं। वह लड़की, जिसके सपने के पूरा होने का किसी को भी भरोसा नहीं था, अब कह सकती है- ''मैं एलन मस्क बनना चाहती हूं। यह कोई नारा नहीं, बल्कि मेरा पक्का इरादा है।'' बेशक, वह अपने सपने को पूरा करने की यात्रा को शुरू कर सकती है। पिछले दस वर्षों में हमारे देश में प्रतिभाओं में कोई बदलाव नहीं आया है। भारत के पास काबिलियत हमेशा से थी। जो चीज़ बदली, वह था अवसर। हमारे इतिहास में ज्यादातर समय किसी बड़े सपने का जवाब यह होता था कि ऐसा करना मुमकिन नहीं है। इसलिए नहीं कि काबिलियत में कोई कमी थी। इसलिए कि मंजिल तक पहुंचने का दरवाजा ही बंद था। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सबसे खामोश और सबसे बड़ी कामयाबी यह रही कि अब वह दरवाजा खुल चुका है।

इस बदलाव की गहराई को समझना बहुत जरूरी है। दशकों तक भारत में हर बड़े सपने को रुकावटों का सामना करना पड़ता था। कोई भी अहम काम करने के लिए आपको लाइसेंस, मंजूरी, जान-पहचान या प्रभावशाली परिवार के नाम की जरूरत पड़ती थी। देश में सपने देखने वालों की कभी कोई कमी नहीं थी। कमी थी तो सिर्फ दरवाजों की। और जब दरवाज़े कम हों तो वे सबसे पहले उनके लिए खुलते हैं जिनके पास पहले से चाबियां होती हैं। नौजवान, गरीब और वे लोग दरवाज़े के बाहर ही इंतज़ार करते रह जाते थे जिनके पास कोई बड़ी पहचान नहीं थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बंद दरवाजे को देखा और समझा कि असल में इसके क्या कारण थे। उन्होंने इस बदलाव को एक ही लाइन में बयान किया- सरकार का रवैया 'जब तक इजाज़त न हो, तब तक पाबंदी' से बदल कर 'जब तक मना न हो, तब तक इजाज़त' हो गया है। उनके पूरे दशक के काम के पीछे एक पक्का संकल्प रहा है- पाबंदियों की इस दीवार को गिराना और उसकी जगह खुले दरवाज़ों वाला देश बनाना। ऐसा देश जहां इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किसकी संतान हैं। फर्क इससे पड़ता है कि आप क्या बनाने की काबिलियत रखते हैं।

जरा गौर करें कि क्या-क्या खुल गया है। अंतरिक्ष पर 60 साल तक सरकार का एकाधिकार रहा। 2020 में उसे उन सबके लिए खोल दिया गया जिनके पास रॉकेट छोड़ने की योग्यता थी। फिर हमारे खेतों के ऊपर का आसमान खुला। उस रूल बुक को फाड़ कर फेंक दिया गया जिसके मुताबिक एक छोटे से ड्रोन को उड़ाने के लिए दर्जनों कागज़ात और इजाज़तों की ज़रूरत पड़ती थी। अब किसी छोटे शहर का कोई नौजवान अपना ड्रोन बना सकता है। उसे फोन के जरिए रजिस्टर कर अपना कारोबार शुरू कर सकता है। गांवों की हज़ारों महिलाओं के हाथों में ड्रोन सौंप दिए गए जिससे भविष्य का एक हिस्सा उनकी आजीविका का जरिया बन गया।

सुशासन और पारदर्शिता की नई मिसाल

छत्तीसगढ़ सरकार ने श्सेवा के संकल्पश् के तहत राजस्व प्रशासन को पूरी तरह डिजिटल बनाकर राज्य के भू-स्वामियों को भूमि संबंधी जटिल प्रक्रियाओं और सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से मुक्ति दिलाई है। भुईयां और भू-नक्शा पहल के जरिए प्रदेश के 20,298 गांवों के खसरा और 19,723 गांवों के भू-नक्शों का कंप्यूटरीकरण पूरा हो चुका है, जिससे अब शुद्ध और प्रामाणिक अभिलेख तुरंत उपलब्ध हो रहे हैं। इसके साथ ही 158 तहसीलों में मॉडर्न रिकॉर्ड रूम बन जाने से कागजातों के गुम होने या खराब होने का डर हमेशा के लिए समाप्त हो गया है। प्रशासनिक सुधारों की इसी कड़ी में 105 उप-पंजीयक कार्यालयों को भुईयां पोर्टल से जोड़कर ऑटो नामांतरण प्रणाली लागू की गई है,

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपको अपनी वाणी पर संयम रखने की जरूरत है। आज आपको कुछ समय परिवार के लिये जरूर निकालना चाहिए। आज आप किसी काम में बहुत ज्यादा व्यस्त रहेंगे। साथ ही दूसरों की कोई सलाह आपके लिये फायदेमंद सिद्ध होगी। आज बच्चों का मन पढ़ाई की अपेक्षा खेल कूद में ज्यादा लगेगा।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज घर पर किसी रिश्तेदार के आने से परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। साथ में कहीं घूमने भी जायेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी और सोचे हुए जरूरी काम समय पर पूरे हो जायेंगे।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको कहीं रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा। आज आप अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए कुछ नई योजना बनायेंगे, जिसका फायदा भी होगा। आज आपका मन पूजा पाठ में अधिक लगेगा, आप धार्मिक पुस्तक पढ़ेंगे जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज व्यापार में उम्मीद से अधिक मुनाफा होने वाला है। आज आपको परिवार से कार्यों में मदद मिलती रहेगी। आज आपकी दोस्तों के साथ किसी विशेष मुद्दे पर बातचीत हो सकती हैं, जिससे आपको उसका समाधान मिल जायेगा।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको संतान की तरफ से शुभ समाचार मिलेगा। आज आपका पूरा ध्यान अपने करियर को आगे बढ़ाने पर रहेगा। साथ ही आज आपको कार्यक्षेत्र में नए अवसर भी प्राप्त होंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपको अचानक धन लाभ होने के योग बन रहे है। आज आपको ऑफिस में कोई नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में आप सफल होंगे। साथ ही परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज माता पिता की सलाह आपके लिए कारगर साबित होगी। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल होगी, जिससे आपकी चर्चा दूर-दूर तक होगी। आज आपको गंभीर मामलों को शांति और बातचीत से सुलझाने की कोशिश करनी चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आप परिवार के साथ कहीं घूमने जायेंगे। आज किसी काम के सिलसिले में अनजान व्यक्ति से आपकी दोस्ती होगी, जो लम्बे समय तक चलेगी। इस राशि के कला और साहित्य से जुड़े व्यक्तियों को आज कहीं परफॉर्म करने का मौका मिलेगा। साथ ही कुछ जरूरी योजनाएं आपके अनुसार पूरी होंगी।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज ऑफिस के काम को पूरा करने में आप पूरी तरह से सक्षम होंगे। इस राशि के लॉ की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। आज आपको किसी सीनियर वकील के साथ इंटरर्नशिप करने का मौका मिलेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज आपकी व्यापारिक डील किसी बड़ी कम्पनी के साथ फाइनल होने की संभावना है। आज आपके घर पर किसी मेहमान का आगमन होगा, जिससे परिवार में चहल पहल बनी रहेगी। आज आपको ऑफिस में एक साथ कई काम करने पड़ पड़ेंगे और काम के प्रति आपकी मेहनत रंग लायेगी।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज आपका दिन बेहद शानदार रहने वाला है। आज बॉस आपसे कुछ ज्यादा ही अपेक्षाएं रखेंगे, आप उनकी अपेक्षाओं पर खरे भी उतरेंगे। आज आपका मन रचनात्मक कार्यों में लगेगा। साथ ही आपको किसी संस्था के माध्यम से सम्मानित भी किया जायेगा। आज आप कुछ नए लोगों के संपर्क में आ सकते हैं, जिनसे आपको फायदा भी होगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहने वाला है। आज आपकी कारोबारी गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेंगी। आज किसी काम में अनुमान से ज्यादा मेहनत और समय लग सकता है। आज स्वास्थ्य के प्रति आपको सजग रहने की जरूरत है और जंक फूड खाने से भी बचना चाहिए। आज आप अपने दोस्त से किसी काम के लिए मदद ले सकते हैं, जिससे वो समय पूरा हो सके।

सोशल मीडिया की भीड़ में अकेला होता व्यक्ति

समाज के सामने एक दूसरी चुनौती संवाद की गुणवत्ता की है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति को आसान बनाया है, लेकिन हर अभिव्यक्ति संवाद नहीं होती। संवाद में सुनना भी शामिल है, जबकि डिजिटल संसार में प्रतिक्रिया देने की जल्दबाजी कई बार सुनने की क्षमता को पीछे छोड़ देती है।

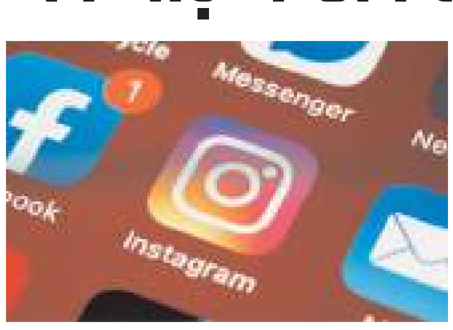

तकनीक ने मनुष्य को संवाद के ऐसे साधन उपलब्ध करा दिए हैं, जिनकी कल्पना कुछ दशक पहले तक असंभव लगती थी। अब एक क्लिक पर दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से संपर्क स्थापित हो जाता है। हजारों मित्र, सैकड़ों समूह, लगातार आती सूचनाएं और हर क्षण सक्रिय रहने वाली आभासी दुनिया ने यह भ्रम पैदा कर दिया है कि मनुष्य पहले से कहीं अधिक जुड़ा हुआ है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक गंभीर सामाजिक विडंबना भी आकार ले रही है, संपर्क बढ़ रहे हैं, संवाद घट रहा है और भीड़ बढ़ने के बावजूद मनुष्य भीतर से अकेला होता जा रहा है। उसे आत्मीयता भरे शब्दों की प्रतीक्षा रहती है। लेकिन दुनिया के व्यक्ति केवल ज्ञान देने तक ही सीमित रहते हैं, साथ चलने को कोई तैयार नहीं होता।

सोशल मीडिया ने दूरी अवश्य कम की है, लेकिन निकटता की परिभाषा बदल दी है। पहले किसी अपने से मिलने के लिए समय निकालना पड़ता था। आमने-सामने बैठकर बातचीत होती थी, चेहरे के भाव पढ़े जाते थे और मौन भी संवाद का हिस्सा होता था। अब किसी के जीवन में हमारी उपस्थिति कई बार केवल एक 'लाइक', एक इमोजी या कुछ शब्दों की टिप्पणी तक सीमित हो गई है। जन्मदिन पर दर्जनों शुभकामनाएं मिल जाती हैं, लेकिन संकट की घड़ी में कंधा देने वाला व्यक्ति तलाशना कठिन हो रहा है। इसी कारण आज हर कोई अकेलेपन की गहराई में लगातार घुसता ही जा रहा है। यह बात सच है कि जो व्यक्ति से मिल सकता है, उसे तकनीक कभी नहीं दे सकती।

यह स्थिति केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव परिवार और समाज की संरचना पर भी दिखाई दे रहा है। एक ही घर में रहने वाले लोग कई बार अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। भोजन की मेज पर बातचीत के बजाय सूचनाओं की जांच होती है। बच्चे माता-पिता के साथ समय बिताने के बजाय डिजिटल मनोरंजन में डूबे रहते हैं और माता-पिता भी अपनी आभासी दुनिया में व्यस्त रहते हैं। परिणाम यह है कि घर भौतिक रूप से साथ होते हुए भी भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। इसी से परिवार के सदस्यों के बीच दूरियां बढ़ती जाती हैं, और यही परिवार टूटने का एक बड़ा कारण भी है। इससे भी व्यक्ति अवसाद की ओर अग्रसर होता जाता है।

सोशल मीडिया की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसने मनुष्य को स्वयं को प्रस्तुत करने का अभूतपूर्व मंच दिया, लेकिन स्वयं को समझने का अवसर कम कर दिया। यहां हर व्यक्ति अपने जीवन का चुना हुआ हिस्सा प्रदर्शित करता है। दूसरों के जीवन की दिखाई देने वाली चमक जब लगातार हमारी आंखों के सामने रहती है, तो अनजाने में तुलना शुरू हो जाती है। हमें लगता है कि दूसरे हमसे अधिक सफल, अधिक खुश और अधिक संतुष्ट हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाला जीवन अक्सर संपूर्ण जीवन नहीं, उसका चयनित अंश होता है। जीवन वही सार्थक है, जिसमें समाज और परिवार का साथ हो।

महालक्ष्मी व्रत आज से शुरू, धन समृद्धि के लिए इस तरह करें कलश स्थापना और पूजन

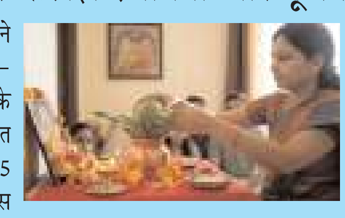

मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए और घर में सुख-सौभाग्य व धन की वृद्धि के लिए महालक्ष्मी का व्रत फलदायी माना जाता है। 15 दिनों तक चलने वाले इस महालक्ष्मी व्रत में धन की देवी की विधि-विधान से पूजा की जाती है। महालक्ष्मी व्रत करने से घर-परिवार में सुख-समृद्धि का वास होता है। यह व्रत 19 सितंबर से शुरू होकर 03 अक्तूबर तक चलेगा। वहीं व्रत के पहले दिन कलश स्थापना का विशेष महत्व होता है। वैदिक पंचांग क मुताबिक महालक्ष्मी व्रत के लिए 18 सितंबर की दोपहर 01ः00 मिनट से भाद्रपद माह के शुक्ल अष्टमी तिथि की शुरूआत हुई है। जोकि आज यानी की 19 सितंबर की दोपहर 03ः26 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उदयातिथि के मुताबिक 19 सितंबर 2026 से महालक्ष्मी व्रत शुरू हो रहा है।

कलश स्थापना का मुहूर्त

महालक्ष्मी व्रत मां लक्ष्मी को समर्पित व्रत है। माना जाता है कि जो भी व्यक्ति इस व्रत को पूरी श्रद्धा और नियम के साथ करता है, उसको मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और घर में सुख-समृद्धि व शांति बनी रहती है।

ऐसे करें कलश स्थापना

इस दिन सुबह जल्दी स्नान आदि करने के बाद पूजा स्थल की सफाई करें और गंगाजल का छिड़का करें। फिर एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर उस पर मां लक्ष्मी की तस्वीर स्थापित करें। अब एक तांबे के कलश में साफ जल भरें और इसमें सिक्का और अक्षत डालें। फिर कलश के ऊपरी भाग पर आम के पत्ते लगाएं और कलश के मुंह पर नारियल रखे। फिर कलश पर रोली और कुमकुम से स्वास्तिक बनाएं।

शब्द सामर्थ्य -165

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छींक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, बक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

1	2		3		4	5		
6			7				8	
9		10					11	
12				13		14		
	15							16
17				18				
19						20	21	
		22		23			24	
25				26				

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 164 का हल

दि	क्र	त		आ	सा	न		आ
ल		मी		खि		सी	ख	ना
	म	ज	बू	र		ह		जा
स	र्द			का		त	रा	ना
र				र	वि		ह	
प	ह	ना	ना		ना	रा	ज	
ट			क	शि	श		नी	ला
	र			का		रा		य
खा	ति	र	दा	री		त	क्ष	क

सू- दोकू क्र.163

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 162 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

विकासशील देशों पर कार्बन उत्सर्जन का अनुचित दोष मढ़ना ठीक नहीं: मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को उच्च कार्बन उत्सर्जन के आरोपों को लेकर भारत सहित विकासशील देशों का पुरजोर बचाव करते हुए कहा कि जलवायु कार्रवाई की नीतियां बनाते समय विकसित और विकासशील देशों के प्रति व्यक्ति उत्सर्जन में अंतर को ध्यान में रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज भी भारत का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन वैश्विक औसत के आधे से भी कम है।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) की ओर से आयोजित 'अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण और जलवायु गतिशीलता का भविष्य' सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि विकासशील देशों पर अक्सर कार्बन उत्सर्जन के लिए अनुचित दोष मढ़ा जाता है। उन्होंने कहा कि विकसित देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में अधिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए, क्योंकि उनका प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन विकासशील देशों की तुलना में करीब छह गुना अधिक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने पेरिस समझौते के तहत तय लक्ष्यों को निर्धारित समय से काफी पहले हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा, हम जी-20 देशों में एकमात्र ऐसे राष्ट्र हैं, जिसने अपनी समय-सीमा से बहुत पहले ही पेरिस समझौते (सीओपी-21) की प्रतिबद्धताओं को पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा कि भारत पर्यावरण संरक्षण और जलवायु लक्ष्यों को लेकर अपनी वैश्विक प्रतिबद्धता को लगातार प्रदर्शित कर रहा है। इस दिशा में देश में घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने, बिजली से चलने वाले वाहनों को बढ़ावा देने, हाइड्रोजन ऊर्जा और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार की 'पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके तहत अब तक 50 लाख घरों में सौर ऊर्जा पैनल लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अकेले सौर ऊर्जा के माध्यम से करीब 20 करोड़ टन कार्बन उत्सर्जन को रोकने में मदद मिली है। उन्होंने बताया कि पिछले 12 वर्षों में भारत में बिजली से चलने वाले वाहनों की बिक्री में 950 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। वहीं, देश का मेट्रो रेल नेटवर्क भी 1,000 किलोमीटर से अधिक हो चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये प्रयास स्वच्छ ऊर्जा और टिकाऊ परिवहन की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक जलवायु कार्रवाई की नीतियां तय करते समय विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन के अंतर को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकसित देशों को अपनी अधिक जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों में अधिक योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस विषय को प्रमुखता से उठाता रहा है। भारत का प्रयास आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन कायम करते हुए सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करना है। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की ओर से आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में 17 देशों के न्यायाधीश, पर्यावरण विशेषज्ञ, सरकारी अधिकारी और न्यायिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। सम्मेलन का उद्देश्य प्रमुख पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान तलाशना और विभिन्न देशों तथा संस्थाओं के बीच सहयोग को मजबूत करना है। सम्मेलन के दौरान जलवायु लचीलापन और सतत ऊर्जा सहित पर्यावरण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चार तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के उपायों सहित विभिन्न पर्यावरणीय चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

नई दिल्ली में दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन (डूसू) चुनाव 2026 में क्रमशः प्रेसिडेंट, सेक्रेटरी और जॉइंट सेक्रेटरी का पद जीतने के बाद एबीवीपी उम्मीदवार यश डबास, रिया छावड़ी और लक्ष्य राज सिंह जश्न मनाते हुए।

केंद्र शासित प्रदेशों में राष्ट्रपति शासन लगने पर बैठकों में जाएंगे उपराज्यपाल, नियमों में हुआ संशोधन

नईदिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अंतर-राज्यीय परिषद के नियमों में एक महत्वपूर्ण संशोधन किया है। इसके तहत दिल्ली, पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर जैसे विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेशों में राष्ट्रपति शासन लागू होने की स्थिति में उपराज्यपालों को परिषद की बैठकों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। गृह मंत्रालय द्वारा 9 सितंबर को अधिसूचित इस बदलाव को शुक्रवार को प्रकाशित किया गया है। यह संशोधन मई 1990 के मूल %अंतर-राज्यीय परिषद आदेश% को बदलता है।

मई 1990 के मूल आदेश के अनुसार, अंतर-राज्यीय परिषद में प्रधानमंत्री, सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के नामित प्रतिनिधि और 6 केंद्रीय कैबिनेट मंत्री शामिल होते हैं।

जुलाई 1990 में इसमें एक प्रावधान जोड़ा गया था, जो केवल राज्यों में अनुच्छेद 356 (राष्ट्रपति शासन) लागू होने पर राज्यपाल की भागीदारी तय करता था।

चूंकी, 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश बन गया था, ऐसे में नियमों में संशोधन आवश्यक था। वर्तमान में राज्यों के लिए तो पुराना नियम ही रखा गया है, जिसमें लिखा है, उस राज्य के राज्यपाल को परिषद की बैठकों में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। नया संशोधन केवल केंद्र शासित प्रदेशों पर ही लागू होगा। पुडुचेरी में केंद्र शासित प्रदेश अधिनियम, 1963 की धारा 51 के तहत आदेश प्रभावी होने पर उपराज्यपाल को आमंत्रित किया जाएगा। जम्मू और कश्मीर में जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 73 के तहत राष्ट्रपति द्वारा जारी आदेश प्रभावी होने पर उपराज्यपाल बैठक का हिस्सा बनेंगे। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के संदर्भ में अनुच्छेद 239एबी के तहत राष्ट्रपति शासन लागू होने की स्थिति में वहां के उपराज्यपाल आमंत्रित किए जाएंगे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों के साथ पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले में नशा मुक्त पंजाब यात्रा के दूसरे चरण की शुरुआत की।

शराबबंदी पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक- फायदे कम नुकसान ज्यादा, अदालत ने गिनाई 5 बड़ी बुराइयां

नई दिल्ली (आरएनएस)। शराबबंदी की वास्तविक प्रभावशीलता और उसके नतीजों पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बेहद तल्ख टिप्पणी की। अदालत ने स्पष्ट किया कि शराब पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से फायदे के बजाय समाज और व्यवस्था को पांच बड़े नुकसान उठाने पड़ते हैं। इसके साथ ही पीठ ने गुजरात और अन्य राज्यों में पिछले कई सालों के दौरान जहरीली शराब से हुई मौतों और त्रासदियों का हवाला देते हुए सरकारों को हकीकत का आईना दिखाया।

जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने शराबबंदी से जुड़े दुष्परिणामों को रेखांकित किया। पीठ ने कहा कि प्रतिबंध से सरकार को भारी राजस्व का नुकसान होता है, जबकि इसे लागू करने और निगरानी तंत्र पर सरकारी खजाने से भारी-भरकम राशि खर्च करनी पड़ती है। इसके अलावा, अवैध धंधे को संरक्षण मिलने से पुलिस और प्रशासनिक तंत्र में भ्रष्टाचार तेजी से पैर पसारता है। वहीं, वैध शराब न मिलने के कारण बाजार में नकली व जहरीली शराब का काला धंधा पनपता है और लोग शराब न मिलने पर ड्रग्स जैसे अन्य जानलेवा नशों की तरफ आकर्षित होने लगते हैं। अदालत ने कहा कि इतिहास गवाह है कि पूर्ण शराबबंदी अक्सर शराब के कारोबार को भूमिगत और अवैध कर देती है, जिससे जानलेवा व अनियंत्रित शराब का चलन बढ़ता है। पीठ ने गुजरात का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि सख्त शराबबंदी के बावजूद राज्य में आजादी के बाद से अब तक 10 से ज्यादा बड़ी जहरीली शराब त्रासदियां हो चुकी हैं, जिनमें 600 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। अदालत ने हाल ही में गुजरात के भावनगर में 13 और मध्य प्रदेश के सागर में 15 लोगों की जहरीली शराब से हुई मौतों को सिस्टम के लिए खतरे की घंटी करार दिया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के लोक भवन में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के ज़रिए विभागीय पद के लिए चुने गए उम्मीदवार को नियुक्ति पत्र सौंपा।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में पुजारियों के लिए नई गाइडलाइन्स जारी, नियम तोड़ने पर होगी कार्रवाई

अयोध्या (आरएनएस)। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में पुजारियों के लिए नई आचार संहिता लागू की गई है। नई व्यवस्था के तहत रामलला सहित मंदिर परिसर के अन्य मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों के लिए पीले वस्त्र धारण करना, तिलक लगाना और पंचकेशी परंपरा का पालन करना अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही गर्भगृह में मोबाइल फोन, पर्स और अन्य निजी सामान ले जाने पर भी रोक लगा दी गई है।

नई नियमावली में पूजा के दौरान शुचिता, अनुशासन और निर्धारित मर्यादा के पालन पर विशेष जोर दिया गया है। मंदिर सेवा से जुड़े पुजारियों को निर्धारित स्थान और समय के अनुसार अपनी सेवा करने के निर्देश दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार, पुजारियों के लिए बाल, दाढ़ी, मूंछ और शिखा रखने अथवा पूरी तरह से मुंडित रहने की व्यवस्था निर्धारित की गई है।

मंदिर प्रशासन की ओर से निर्धारित व्यवस्था के अनुसार, गर्भगृह में मंदिर की ओर से उपलब्ध कराए गए भोग-प्रसाद के अलावा बाहर से किसी अन्य सामग्री को ले जाने की अनुमति नहीं होगी। इसका उद्देश्य गर्भगृह की शुचिता और पूजा व्यवस्था को बनाए रखना है।

नई आचार संहिता में पुजारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता को भी विशेष महत्व दिया गया है। ड्यूटी के दौरान यदि किसी पुजारी को शौच के लिए जाना पड़ता है तो स्नान किए बिना दोबारा मंदिर या गर्भगृह में प्रवेश नहीं किया जा सकेगा। स्नान करने और निर्धारित नए वस्त्र धारण करने के बाद ही पुजारी दोबारा अपनी सेवा में लौट सकेंगे। ड्यूटी के दौरान पुजारियों को अनावश्यक बातचीत, समूह में चर्चा और हंसी-मजाक से बचने के निर्देश दिए गए हैं। उन्हें निर्धारित सेवा स्थल पर मौजूद रहना होगा। किसी आवश्यक कारण से सेवा स्थल छोड़ने की स्थिति में संबंधित पाली प्रमुख को इसकी सूचना देना अनिवार्य होगा। नई आचार संहिता के तहत मंदिर में सेवा देने वाले अन्य कर्मचारियों के लिए भी शुचिता और अनुशासन संबंधी नियम निर्धारित किए गए हैं। भोग-प्रसाद और उससे संबंधित सामग्री की व्यवस्था देखने वाले कोठारी और भंडारी के लिए भी निर्धारित वेशभूषा तथा स्वच्छता के नियम लागू किए गए हैं। मंदिर परिसर में सेवा देने वाले सभी कर्मचारियों को नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने के निर्देश दिए गए हैं। बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, तंबाकू और मद्यपान जैसी चीजों के सेवन पर कार्रवाई किए जाने का प्रावधान किया गया है। मंदिर प्रशासन की ओर से सेवा के दौरान अनुशासन और धार्मिक मर्यादा बनाए रखने को प्राथमिकता दी गई है। नई नियमावली में मंदिर की निर्धारित मर्यादा का उल्लंघन होने की स्थिति में शुद्धिकरण प्रक्रिया और आवश्यक कार्रवाई का प्रावधान भी किया गया है। नियमों का बार-बार उल्लंघन करने वाले संबंधित व्यक्ति के खिलाफ अनुशासनात्मक कदम उठाए जा सकते हैं। मंदिर प्रशासन का उद्देश्य नई आचार संहिता के माध्यम से मंदिर की पूजा-पद्धति, सेवा व्यवस्था, शुचिता और अनुशासन को बनाए रखना है। नई व्यवस्था में पुजारियों और मंदिर सेवा से जुड़े कर्मचारियों के लिए निर्धारित मर्यादाओं का पालन अनिवार्य किया गया है।

विदेश समाचार

भारत दिखाए जिगरा, ट्रंप के 100 फीसदी टैरिफ पर बरसे प्रोफेसर मुक्तदर खान, अमेरिकी राजदूत पर पाबंदी लगाने की सलाह

वॉशिंगटन (आरएनएस) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट-2026 पर हस्ताक्षर करके इसे कानून बना दिया है। अब अगर भारत रूस से तेल का आयात जारी रखता है तो इस कानून के तहत डोनाल्ड ट्रंप भारत से होने वाले आयात पर 100फीसदी तक टैरिफ लगा सकते हैं। इसलिए भारत के निर्यात लक्ष्यों और ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से इस कानून का बहुत महत्व है। टैरिफ को लेकर भारत सरकार की चिंताओं पर अब तक कोई ध्यान नहीं दिया गया है। हालांकि भारत की तरफ से जारी बयान में साफ तौर पर कहा गया है कि अगर टैरिफ लगाया जाता है तो इससे द्विपक्षीय संबंध खराब होंगे। भारतीय मूल के अमेरिकी प्रोफेसर मुक्तदर खान ने अमेरिका की तरफ से भारत पर लगाए जाने वाले इस संभावित टैरिफ को धोखेबाजी करार दिया है। उन्होंने पाकिस्तानी एनालिस्ट कमर चीमा के

साथ बात करते हुए कहा %भारत ने ब्रिक्स में अमेरिका का साथ दिया था। ईरान पर हमले में अमेरिका का नाम नहीं आने दिया। लेकिन इसके बाद भी भारतीय आयात पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की बात की जा रही है। उन्होंने आगे कहा ब्रिक्स में जो ईरान पर प्रतिबंध की आलोचना की गई है उसमें भी भारत ने अमेरिका का बचाव किया है। रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ लगाने के लिए लाए गये इस बिल पर दोनों ही पार्टियों यानि डेमोक्रेटिक और रिब्लिकन ने मतदान किया था। बिल के खिलाफ कुछ ही वोट पड़े थे। यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेज़ेंटेटिव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इस बिल पर दस्तखत करना दोनों पार्टियों की बढ़ती इस समझ को दिखाता है कि टैरिफ हमारी आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने और लंबे समय तक शांति और समृद्धि बनाए रखने का एक असरदार जरिया हैं। यह घटनाक्रम भारत के लिए अहम है क्योंकि भारत अपनी कच्चे तेल की 88त्न से ज्यादा जरूरतें इंपोर्ट से पूरी करता है और अभी रूस से ही इसका लगभग आधा हिस्सा आता है। कमोडिटी मार्केट एनालिटिक्स फर्म केप्लर के वेसल ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक भारत ने अगस्त में रूस से हर दिन 2.08 मिलियन बैरल तेल खरीदा जो देश के कुल तेल इंपोर्ट का 45त्न था। इससे पहले के दो महीनों में यह हिस्सेदारी 50त्न से भी ज्यादा थी। प्रोफेसर मुक्तदर खान ने कहा %बिल तो पास होने वाला था ये तो पहले से तय हो गया था लेकिन हैरानी की बात ये है कि बिल पर बहस के दौरान किसी ने भी ये नहीं कहा कि हम भारत को क्यों परेशान कर रहे हैं?

यूके में सिख ड्राइवर पर हमला, मारपीट करते हुए दाढ़ी नोची, बस हाईजैक कर कई गाड़ियों को मारी टक्कर

लंदन (आरएनएस) यूके में एक सिख ड्राइवर के साथ मारपीट और उनकी बस हाईजैक करने का मामला सामने आया है। शुक्रवार शाम यूके के टेलफोर्ड में ये हुआ है, जब एक यमनी नागरिक आदमी ने सिख बस ड्राइवर पर हमला करते हुए उनकी सिंगल-डेकर बस पर कब्जा कर लिया और उससे कई गाड़ियों को टक्कर मार दी। इस घटना के बाद हथियारबंद पुलिसकर्मियों ने मोर्चा संभालते हुए हालात को संभाला।

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में आरोपी ड्राइवर को मारते और उनकी दाढ़ी खींचते दिख रहा है। सोशल मीडिया पर सामने आए रहे वीडियो में दिख रहा है कि आरोपी ट्रैवल टेलफोर्ड बस के अंदर ड्राइवर पर हमला करता है और फिर बस पर कब्जा कर लेता है। फुटेज में यात्री उस आदमी से रुकने के लिए चिल्लाते और लोगों से रास्ते से हटने के लिए कहते हुए सुनाई दे रहे हैं। ड्राइवर को बार-बार फोन मांगते और यात्रियों से पुलिस को बुलाने की गुहार लगाते देखा जा सकता है।

पहली कॉल मिलने के 10 मिनट के भीतर ही अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए और गिरफ्तारी कर

ली। एक आदमी पुलिस हिरासत में है और हम घटना के हालात को पूरी तरह समझने की कोशिश कर रहे हैं।

पुलिस अधिकारियों ने द टेलीग्राफ को बताया कि उन्हें मेडली की कोर्ट स्ट्रीट में एक चिंताजनक घटना के बारे में कॉल मिली थी। यह घटना शुक्रवार शाम 6 बजे के कुछ देर बाद हुई। हमलावर ने बस की टिकट-रीडिंग मशीन ड्राइवर पर फेंकी, उनकी दाढ़ी खींची और उनको सिर से मारते हुए खुद बस चलाने लगा। पुलिस के मुताबिक, बस सड़क की गलत साइड पर चली और कई गाड़ियों से टकरा गई।

सऊदी समझौते से पाकिस्तान को नुकसान, पश्चिम एशिया संकट में बुरे फंस सकते हैं असीम मुनीर, रिपोर्ट में दावा

इस्लामाबाद (आरएनएस) पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए डिफेंस समझौते ने इस्लामाबाद की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। एक रिपोर्ट दावा करती है कि रक्षा प्रतिबद्धताओं के कारण देश मध्य-पूर्व संघर्ष में फंस सकता है। यमन में रियाद और ईरान-समर्थित हूती विद्रोहियों के बीच तनाव बढ़ने से सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पर दबाव बढ़ रहा है। पाकिस्तान का यमन में जाना उसे पश्चिम एशिया में फंसा सकता है।

द गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआत में यह रक्षा समझौता पाकिस्तान के लिए एक रणनीतिक फायदे जैसा लग रहा था। पिछले साल सितंबर में रियाद में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ वो मुनीर भी मौजूद थे। समझौते के तहत सऊदी अरब अरबों डॉलर का निवेश पाकिस्तान में करेगा और उसे कर्ज भी देगा, जबकि पाकिस्तान सऊदी सेना को प्रशिक्षित करेगा और किसी भी हमले की स्थिति में सऊदी अरब की रक्षा करेगा।

क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने यह मान लिया था कि अमेरिका और ईरान के बीच रिश्ते सुधरेंगे। इसके साथ ही मध्य पूर्व और खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष खुद ही खत्म हो जाएगा। हालांकि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर बमबारी शुरू करने और उसके बाद सऊदी अरब सहित खाड़ी देशों पर ईरान के मिसाइल हमलों के बाद स्थिति तेजी से बदली। इसके बाद संघर्ष ने सऊदी अरब और हूती के बीच टकराव को फिर से भड़का दिया। रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी-हूती के बीच हुआ नाजुक समझौता तब टूट गया, जब हूती ने यमन के कुछ इलाकों पर कब्जा कर लिया।

यूक्रेन का मॉस्को पर अब तक का सबसे बड़ा हमला, रूस में संसदीय चुनाव के बीच दागे 1000 से ज्यादा ड्रोन

मॉस्को (आरएनएस) यूक्रेन की सेना ने रात भर रूस को निशाना बनाकर 1,000 से अधिक ड्रोन हमले किए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। रूस की राजधानी मॉस्को के मेयर ने बताया कि यह मॉस्को पर ''अब तक का सबसे बड़ा'' हमला है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके बलों ने पूरे देश के साथ-साथ रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी प्रायद्वीप क्रीमिया और काला सागर के जलक्षेत्र में यूक्रेन के 1,100 ड्रोन मार गिराए।

रूस में चुनाव के बीच किया हमला

मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि रूस की राजधानी की ओर बढ़ रहे 450 ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि कुछ ड्रोन मॉस्को तेल रिफाइनरी और एक आवासीय इमारत से टकराए। यूक्रेन का यह बड़ा हमला युद्ध के दौरान रूस में हो रहे पहले संसदीय चुनाव के तीसरे और आखिरी दिन हुआ है।

कासगंज में %जय श्रीराम% पर बवाल

शिक्षइस चुनाव में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नीतियों का विरोध करने वाले विपक्ष की मौजूदगी लगभग नहीं के बराबर रही और इससे 'क्रेमलिन' (रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के प्रभुत्व के और मजबूत होने की संभावना है।

यूक्रेन के कब्जे वाले इलाकों में भी चुनाव

रूस के संसदीय चुनाव में पहली बार उन क्षेत्रों के निवासी भी शामिल हो रहे हैं, जिन पर मॉस्को ने यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर हमला शुरू करने के बाद कब्जा कर लिया था। यह रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय 'क्रेमलिन' द्वारा अपने कब्जे वाले क्षेत्रों पर नियंत्रण मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा है। कीव के अधिकारियों ने इस कदम की कड़ी निंदा करते हुए इसे अवैध बताया है। वहीं, एक मानवाधिकार कार्यकर्ता ने कहा कि इन क्षेत्रों के निवासियों को चुनाव में भाग लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

रूस में मतदान शुक्रवार से शुरू हुआ और रविवार तक जारी रहेगा। इसका उद्देश्य मतदान प्रतिशत बढ़ाना है। हालांकि, यूक्रेन के रूस द्वारा कब्जाए क्षेत्रों और रूस की सीमा से लगे कुछ इलाकों में पिछले महीने के अंत से ही मतदान शुरू हो गया था। अधिकारियों ने इतनी लंबी प्रक्रिया के लिए सुरक्षा कारणों का हवाला दिया।

यूक्रेनी इलाकों में 35 लाख वोटर

रूसी अधिकारियों के अनुसार, दोनेत्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन और जापोरिज्जिया क्षेत्रों में 35 लाख से अधिक मतदाता हैं। मॉस्को के अधिकारी अक्सर इन क्षेत्रों को नए क्षेत्र कहते हैं। रूस ने सितंबर 2022 में इन क्षेत्रों को अपने में मिला लिया था, जबकि उस समय ये क्षेत्र पूरी तरह उसके नियंत्रण में नहीं थे। रूस के इस कदम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता नहीं मिली है।

दोनेत्स्क क्षेत्र के रूस के कब्जे वाले हिस्से में एक मतदान केंद्र पर मतदाताओं ने मतपेटी में अपने मत डाले, जबकि पास में एक रूसी सैनिक हथियार लेकर खड़ा होकर निगरानी कर रहा था। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को दिए एक भाषण में इन क्षेत्रों में निचले सदन 'स्टेट ड्यूमा' के लिए मतदान के महत्व पर जोर दिया।

भारत से बढ़ने लगी चीन की शॉपिंग, दुनिया में बज रहा लोकल का डंका, इन आंकड़ों से इशारा समझिए

नई दिल्ली-(आरएनएस)भारत का एक्सपोर्ट दुनिया के कुछ सबसे बड़े उभरते और विकसित बाजारों में तेजी से बढ़ा है। 2026-27 के शुरुआती पांच महीनों में चार मुख्य ब्रिक्स देशों को होने वाला एक्सपोर्ट 34 बढ़कर 19.9 अरब डॉलर हो गया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट से इसका पता चलता है। अकेले चीन को होने वाले एक्सपोर्ट में 39 की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका को होने वाले निर्यात में 58 का उछाल आया है।

यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब भारत पारंपरिक बाजारों से आगे बढ़कर अपने एक्सपोर्ट के दायरे को बढ़ाने में जुटा है। साथ ही वह ज्यादा देशों के साथ व्यापारिक संबंध मजबूत करना चाहता है।

वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-अगस्त 2026-27 में भारत के कुल एक्सपोर्ट में चार मुख्य क्क्ष्ठ्रस सदस्यों - चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और रूस की हिस्सेदारी 9.2 रही। यह एक साल पहले 8.1 थी।

रिपोर्ट के अनुसार, वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, जैसे-जैसे भारत ब्रिक्स समूह के साथ अपने संबंध मजबूत कर रहा है, सबसे ज्यादा तेजी ब्रिक्स सदस्यों, खासकर मुख्य ब्रिक्स संस्थापक भागीदारों- चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और रूस की तरफ से देखने को मिल रही है।

इन चार देशों को होने वाला एक्सपोर्ट अप्रैल-अगस्त 2025-26 में 14.9 अरब डॉलर से बढ़कर चालू वित्त वर्ष की इसी अवधि में 19.9 अरब डॉलर हो गया।

इस बढ़ोतरी में चीन का योगदान सबसे ज्यादा रहा। अप्रैल-अगस्त 2026-27 के दौरान चीन को भारत का एक्सपोर्ट 39 बढ़ा। यह बढ़कर 9.6 अरब डॉलर हो गया।

चारों बाजारों में दक्षिण अफ्रीका में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई। वहां एक्सपोर्ट में 58का उछाल आया। ब्राजील और रूस को होने वाले एक्सपोर्ट में 13 और 11 की बढ़ोतरी हुई।

ये आंकड़े दे रहे हैं बड़ा हिंट

वाणिज्य मंत्रालय इस ट्रेंड को इस बात के संकेत के तौर पर देख रहा है कि मुख्य ब्रिक्स बाजार भारतीय एक्सपोर्टर्स के लिए तेजी से महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं।

अधिकारी ने कहा, भारत न सिर्फ ब्रिक्स के भीतर अपनी व्यापारिक उपस्थिति मजबूत कर रहा है। इसके बजाय समूह की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के साथ और अधिक जुड़ भी रहा है। वह बोले, मुख्य ब्रिक्स देशों को होने वाला एक्सपोर्ट व्यापक ब्रिक्स समूह को होने वाले एक्सपोर्ट की तुलना में लगभग तीन गुना तेजी से बढ़ रहा है। इससे ये बाजार भारत की एक्सपोर्ट स्ट्रैटेजी के अहम स्तंभ के रूप में उभर रहे हैं।

शुरुआत में ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे। 2024 में इस ग्रुप का विस्तार हुआ। इसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान, यूएई और सऊदी अरब को शामिल किया गया। 2025 में इंडोनेशिया समूह में शामिल हुआ। जबकि बेलारूस, बोलीविया, कजाकिस्तान, क्यूबा,मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम पिछले साल पार्टनर देश बने। निर्यात में तेजी सिर्फ ब्रिक्स बाजारों तक ही सीमित नहीं है। अप्रैल-अगस्त 2026-27 के दौरान जापान को भारत का शिपमेंट 43त्न बढ़ा। यह बढ़कर 3.43 अरब डॉलर हो गया।

इसमें मिनरल फ्यूल (खनिज ईंधन) का बड़ा योगदान रहा। इसका एक्सपोर्ट 23.17 करोड़ डॉलर या 76 बढ़ा। इलेक्ट्रॉनिक्स और एल्युमीनियम के शिपमेंट में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान इटली को निर्यात लगभग 30त्न बढ़कर 3.92 अरब डॉलर हो गया। यह एक साल पहले 3.02 अरब डॉलर था। दक्षिण कोरिया को भी भारत का निर्यात 22त्न बढ़कर 3.21 अरब डॉलर हो गया।

सोने में फिर आएगी बड़ी तेजी ?

नई दिल्ली-(आरएनएस) सोने की कीमत में पिछले कुछ समय में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। जिन्होंने पिछले साल सोना खरीदा था, उनमें से काफी निवेशक इस समय नुकसान में हैं। ऐसे में हर निवेशक की जुबान पर यही है कि सोने में तेजी कब आएगी? इसे लेकर इन्वेस्टमेंट बैंक जेपी मॉर्गन ने अपनी राय दी है। बैंक का अनुमान है कि 2026 के अंत तक सोना 4500 डॉलर प्रति औंस और साल 2027 के मध्य तक 5000 डॉलर प्रति औंस के स्तर को छू सकता है। अभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमत करीब 4380 डॉलर प्रति औंस है।

सोने की कीमतों में अगस्त की तेज तेजी के बाद सितंबर में कुछ नरमी देखने को मिली है। हालांकि, लंबी अवधि में सोने को लेकर बाजार की नजर अभी भी तेजी वाले संकेतों पर बनी हुई है। जेपी मॉर्गन के अनुसार वास्तविक ब्याज दर यानी रियल यील्ड, अमेरिकी डॉलर का रुख, केंद्रीय बैंकों की मांग और राजकोषीय स्थिरता को लेकर चिंताएं सोने की तेजी को दिशा देने वाले प्रमुख कारक हैं।

सोने की चाल तय करने वाले 5 बड़े कारण

1. वास्तविक यील्ड और अमेरिकी नीतियां

सोने पर ब्याज या डिविडेंट नहीं मिलता, इसलिए इसकी आकर्षण क्षमता ब्याज दर वाले परिसंपत्तियों के रिटर्न पर निर्भर करती है।

जब वास्तविक यील्ड घटती है या सीमित रहती है, तो सोने को होल्ड करने की अपॉर्चुनिटी कॉस्ट कम हो जाती है, जिससे मांग को समर्थन मिलता है।

अमेरिकी श्रम बाजार के कमजोर संकेतों ने वास्तविक यील्ड को सीमित रखने में मदद की है।

2. कमजोर अमेरिकी डॉलर

अमेरिकी डॉलर में नरमी सोने को वैश्विक खरीदारों के लिए अधिक आकर्षक बनाती है, जिससे हालिया तेजी को बल मिला है।

3. केंद्रीय बैंकों की रिकॉर्ड खरीदारी

अल्पकालिक संस्थागत निवेशकों के बजाय, वैश्विक केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा भंडार को विविधता देने के लिए सोना खरीद रहे हैं। चीन के केंद्रीय बैंक ने जुलाई में उसने 20 टन सोना खरीदा, जो अक्टूबर 2023 के बाद उसकी सबसे बड़ी मासिक खरीद थी। इसके साथ ही चीन की लगातार खरीदारी का सिलसिला 21वें महीने भी जारी रहा। 4. अमेरिका का बढ़ता कर्ज अमेरिकी सरकार के बढ़ते कर्ज और डॉलर के अवमूल्यन की आशंकाओं के चलते सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग बढ़ी है।

5. वैश्विक निवेश प्रवाह

अगस्त में आए मजबूत निवेश प्रवाह ने सोने की कीमतों को ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुँचाने में मदद की।

मारुति सुज़ुकी ने ऑटो ग्रीन मिशन की शुरुआत की, ऑटोमैटिक **S-CNG Swift, Dzire** और **Baleno** पेश की

नई दिल्ली (आरएनएस)मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड (मारुति सुज़ुकी), स्वच्छ और हरित मोबिलिटी की अग्रणी कंपनी, ने लोकप्रिय **Swift, Dzire** और **Baleno** के ऑटोमैटिक स्-ष्ठह्न मॉडल पेश करते हुए 'ऑटो ग्रीन मिशन' की शुरुआत की है। यह नई रेंज, नए दौर के उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार की गई, जो किसी भी तरह का समझौता नहीं करना चाहते7 यह गाड़ियाँ ऑटोमैटिक ड्राइविंग की सुविधा के साथ बेहतरीन ईंधन दक्षता प्रदान करती है। इनमें से **Dzire** ऑटोमैटिक **S-CNG** 36.47 किमी/किग्रा* की ईंधन दक्षता के साथ अब भारत की सबसे अधिक ईंधन-कुशल सेडान स बन गई है।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड में मार्केटिंग एंड सेल्स के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, श्री पार्थो बनर्जी ने नई ऑटोमैटिक स्-ष्ठह्न रेंज पेश करते हुए कहा, मारुति सुजुकी ने हमेशा अपने ग्राहकों की बात सुनी है। भारत के शहर तेज़ी से बढ़ रहे हैं, और नई पीढ़ी के ग्राहक चाहते हैं कि उन्हें ऑटोमैटिक कार की सुविधा मिले, लेकिन ट्रैफिक में माइलेज और परफॉर्मेंस से समझौता न करना पड़े। ऑटो ग्रीन मिशन के तहत, हमारी नई ऑटोमैटिक रेंज आज के ऐसे ही ग्राहकों के लिए बनी है, जो दोनों चीज़ें एक साथ चाहते हैं। **Swift, Dzire ¥õÚU Baleno** देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में शामिल हैं। ऑटोमैटिक स्-ष्ठह्न मॉडल की एंट्री से ग्राहकों की खुशी और बढ़ेगी, और ये पहले से लोकप्रिय कारें अब और भी दिल जीतेंगी। उन्होंने आगे कहा, हमारे स्-ष्ठह्न वाहनों की रेंज को ग्राहकों से अभूतपूर्व मांग मिल रही है।

अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन... डीजल की कीमतों ने तोड़े रिकॉर्ड, सूखा पड़ा हर 9वां पेट्रोल पंप

नई दिल्ली (आरएनएस) मिडिल ईस्ट में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल की आपूर्ति ठप होने से वैश्विक स्तर पर ईंधन का महासंकट खड़ा हो गया है। अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन समेत कई विकसित देश रिकॉर्ड तोड़ ईंधन कीमतों और आपूर्ति की किल्लत से जूझ रहे हैं। कई देशों में डीजल की भारी किल्लत हो गई है। कई पेट्रोल पंप बंद हो गए हैं।

अमेरिका- उच्चतम स्तर पर डीजल की कीमतें

अमेरिका में डीजल की राष्ट्रीय औसत कीमत 6.49 डॉलर (करीब 622 रुपये) प्रति गैलन के ऑल-टाइम हाई रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। मिडिल ईस्ट संकट शुरू होने से ठीक पहले 27 फरवरी को डीजल की कीमत 3.75 डॉलर (करीब 360 रुपये) प्रति गैलन थी। यानी पिछले कुछ महीनों में इसमें 73त्न की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कैलिफोर्निया राज्य में डीजल 8.41 डॉलर (करीब 807 रुपये) प्रति गैलन और पेट्रोल 6.13 डॉलर (करीब 588 रुपये) प्रति गैलन तक पहुंच गया है। अमेरिका का पूरा फ्रेट और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क (ट्रक, ट्रेनें और कृषि उपकरण) डीजल पर निर्भर है। ऐसे में अमेरिका में डीजल महंगा होने से खाद्यान्न और माल ढुलाई की लागत आसमान छू रही है।फ्रांस में ईंधन संकट इतना गहरा गया है कि देश का हर 9वां पेट्रोल पंप (लगभग 11त्न) सूखा पड़ चुका है। कई क्षेत्रों में 16त्न तक स्टेशनों पर ईंधन खत्म हो चुका है। फ्रांस में डीजल की औसत कीमत 2.39 यूरो (करीब 264 रुपये) प्रति लीटर के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गई है। देश के 700 से अधिक पंपों पर प्रीमियम ग्रेड ईंधन 2.50 यूरो (करीब 276 रुपये) से 2.70 यूरो (करीब 298 रुपये) प्रति लीटर तक बिक रहा है। सऊदी अरामको द्वारा ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन पर हमले के बाद कम से कम दो बड़े यूरोपीय रिफाइनरों को अक्टूबर की क्रूड सप्लाई बंद करने की सूचना दी गई है, जिससे संकट और गहरा गया है।

स्थिति से निपटने के लिए फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जी7 देशों से आपातकालीन रणनीतिक तेल भंडार जारी करने की मांग की है।

ब्रिटेन- 5 महीने के उच्च स्तर पर महंगाई

ब्रिटेन में अगस्त महीने में महंगाई दर बढ़कर 3.1त्न पर पहुंच गई है, जिसका मुख्य कारण मोटर फ्यूल और एयरफेयर में आई भारी तेजी है। यूके राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार, पिछले साल अगस्त की तुलना में मोटर फ्यूल की कीमतों में 23त्न का उछाल आया है। जुलाई से अगस्त के बीच पेट्रोल की औसत कीमत 9.1 पेंस बढ़कर 161.3 पेंस (करीब 206 रुपये) प्रति लीटर हो गई, जो रूस-यूक्रेन युद्ध के शुरुआती समय के बाद का सबसे उच्चतम स्तर है। होर्मुज के आसपास सप्लाई बाधित होने से वैश्विक रिफाइंड फ्यूल बाजार पर दबाव बढ़ा है।

मूडीज ने भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7 प्रतिशत किया

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का अनुमान छह प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है। एजेंसी ने कहा है कि मध्य पूर्व में जारी संघर्ष और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूत लचीलापन दिखाया है। हालांकि, मूडीज ने भारत की 'बीएए3' रेटिंग और उसके स्थिर परिदृश्य में कोई बदलाव नहीं किया है। मूडीज के मुताबिक, भारत की आर्थिक वृद्धि अन्य जी-20 देशों और समान रेटिंग वाले उभरते बाजारों की तुलना में अधिक रहने की संभावना है। हालांकि, ऊंची ऊर्जा कीमतें, सरकारी कर्ज और कम प्रति व्यक्ति आय अब भी देश की ऋृण साख के लिए प्रमुख चुनौतियां बनी हुई हैं। मूडीज ने चेतावनी दी है कि कच्चे तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से भारत में महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। इसके अलावा अल नीनो की स्थिति खाद्य उत्पादन और आपूर्ति को प्रभावित कर सकती है, जिससे खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ने का जोखिम है। ऊंची खाद्य और ऊर्जा कीमतों का असर लोगों की खरीदारी और घरेलू मांग पर पड़ सकता है, जिसका प्रभाव आर्थिक वृद्धि पर भी दिखाई दे सकता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करता है। ऐसे में वैश्विक तेल कीमतों में तेज बढ़ोतरी का असर घरेलू ईंधन लागत, महंगाई और सरकार के वित्तीय बोझ पर पड़ सकता है। मध्य पूर्व संघर्ष के असर को देखते हुए मूडीज ने भारत के सरकारी खर्च को लेकर भी चिंता जताई है। यदि ऊर्जा कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहती हैं तो सरकार को सब्सिडी पर अधिक खर्च करना पड़ सकता है।

मनोरंजन

रसिका ने याद किया स्ट्रगल का दौर, कहा-2016 के बाद बदली किस्मत, ओटीटी ने दिलाई पहचान

अभिनेत्री रसिका दुग्गल हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो डबल डेट में गई थीं। इस शो में उन्होंने करियर, स्ट्रगल, शादी और कॉलेज के दिनों के बारे में बात की। एपिसोड में नेहा धूपिया ने रसिका दुग्गल के कामों की तारीफ करते हुए कहा, रसिका, तुम खुद एक जॉनर बन गई हो और यह कमाल की बात है। बातचीत में रसिका दुग्गल ने उस पल के बारे में भी बताया जब उन्हें लगा कि इंडस्ट्री में अब उनकी जगह बन गई है। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें सच में कब लगा कि वह इंडस्ट्री का हिस्सा हैं, तो रसिका ने उस दौर को याद किया जब उनके काम में निरंतरता आने लगी थी। रसिका दुग्गल ने कहा, जब से मेरे काम में निरंतरता आई, वह 2016-17 के बीच का समय था। मैं 2006 में एफटीआईआई से निकली थी, तो इसके पूरे 10 साल बाद ऐसा हुआ। बीच में भी ऐसे काम मिलते रहे, जिन्होंने मुझे हिम्मत दी और बनाए रखा लेकिन वे 2016 के बाद किए गए काम जितने चर्चित नहीं थे।

रसिका ने इस निरंतर दौर से पहले की कुछ फिल्मों को भी याद किया, जिनमें किस्सा और क्षय जैसी फिल्में शामिल थीं, जिन्होंने उन्हें इंडस्ट्री के बेहतरीन टैलेंट के साथ काम करने का मौका दिया। हालांकि, उन्होंने बताया कि 2016 के बाद के समय में बड़ा बदलाव आया, जब उन्हें लगातार कई प्रोजेक्ट मिलने लगे।

उन्होंने कहा, 2016 के बाद ही मंटो, मिर्जापुर और दिल्ली क्राइम जैसे काम और कुछ दूसरे प्रोजेक्ट लगातार मिलने लगे और इसकी बड़ी वजह ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का आना था। तब मुझे लगा कि यह किसी आंदोलन जैसा था।

रसिका की लेटेस्ट रिलीज मिर्जापुर- द मूवी है। भारतीय एक्शन क्राइम थ्रिलर फिल्म में रसिका दुग्गल बीना त्रिपाठी (कालीन भैया की पत्नी और मुन्ना की सौतेली मां) का किरदार निभाया है।

यह फिल्म मिर्जापुर वेब सीरीज का कोई अगला सीजन नहीं है बल्कि मिर्जापुर की दुनिया को बड़े पर्दे पर एक नए और बड़े कैनवस पर पेश किया गया। इसमें एक बिल्कुल नई कहानी और कुछ नए किरदार देखने को मिलेंगे, जो वेब सीरीज में नहीं दिखाए गए थे।

फिल्म में मुन्ना भैया और कालीन भैया के व्यवहार से जुड़े कई अनसुलझे सवालों के जवाब और किरदारों की बैकस्टोरी भी देखने को मिले। फिल्म अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई गई है। इसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है जबकि कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने किया है। इसके सह-निर्माता कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी हैं।

मिर्जापुर द मूवी, पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुगल और दिव्येंदु शर्मा अपने पुराने किरदारों में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही जितेंद्र कुमार, सोनल चौहान और रवि किशन भी अहम भूमिका में दिखेंगे।

राका को लेकर एक और रहस्यमयी टीज़ ने बढ़ाई उत्सुकता, ग्लोबल ट्रायम्फ ने फिर छेड़ा रहस्य

बहुप्रतीक्षित फिल्म राका को लेकर रहस्य लगातार गहराता जा रहा है। मेकर्स की ओर से शेयर किए गए क्रिप्टिक 37 पोस्ट ने फैंस के बीच कई तरह की थ्योरी और चर्चाओं को जन्म दिया था। अब सन पिक्चर्स ने एक और रहस्यमयी टीज शेयर किया है, जिसने दर्शकों को एक बार फिर नए संकेत को समझने और डिकोड करने में जुटा दिया है। नए वीडियो में दमदार संदेश के तौर पर लिखा है, जो असंभव सा लगता था, उससे भी आगे। हमने कल्पना करने की हिम्मत की। हमने इसे साकार करने की हिम्मत की। राका - एक वैश्विक विजय। फिलहाल इस संदेश ने आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन और निर्देशक एटली की बहुप्रतीक्षित फिल्म को लेकर उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। दिलचस्प बात ये है कि मेकर्स हर नए टीज के साथ राका की दुनिया और उसके प्रति दर्शकों की एक्साइटमेंट को धीरे-धीरे बढ़ाते नजर आ रहे हैं,

स्पीड बैग एक्सरसाइज से मिल सकते हैं कई फायदे, जानिए कैसे

स्पीड बैग एक प्रकार का एक्सरसाइज उपकरण है, जिसका इस्तेमाल मुक्केबाजी की ट्रेनिंग में किया जाता है। यह उपकरण न केवल आपके हाथों और आंखों के तालमेल को सुधारता है, बल्कि पूरे शरीर की तंदुरुस्ती के लिए भी फायदेमंद होता है। स्पीड बैग का उपयोग करते समय आपको तेज गति से पैरों और हाथों का उपयोग करना होता है। आइए आज हम आपको स्पीड बैग एक्सरसाइज से मिलने वाले फायदों के बारे में बताते हैं।

स्पीड बैग का उपयोग करते समय आपके हाथ और आंखें एक साथ काम करती हैं। इससे आपका हाथ-आंख तालमेल बेहतर होता है। यह कौशल न केवल मुक्केबाजी में, बल्कि अन्य खेलों और रोजमर्रा की गतिविधियों में भी काम आता है। जब आप स्पीड बैग पर तेजी से प्रहार करते हैं तो आपकी आंखें आपके हाथों की गति को पकड़ती हैं और आप तेजी से प्रतिक्रिया देना सीखते हैं।

इससे आपकी प्रतिक्रिया क्षमता भी बढ़ती है।

दिल का स्वास्थ्य होता है बेहतर

स्पीड बैग एक्सरसाइज करते समय दिल की धड़कनें बढ़ती हैं, जिससे दिल और रक्त संचार प्रणाली मजबूत होती है। नियमित रूप से स्पीड बैग का उपयोग करने से दिल की धड़कनें तेज होती हैं और रक्त संचार बेहतर होता है। यह एक्सरसाइज फेफड़ों की क्षमता को भी बढ़ाती है, जिससे आपकी सांस लेने की क्षमता में सुधार होता है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज दिल को स्वस्थ रखने में मदद करती है और दिल की बीमारियों का खतरा कम करती है। स्पीड बैग पर प्रहार करने से आपके हाथों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इससे आपकी कलाई और कंधों की ताकत भी बढ़ती है, जो मुक्केबाजी या अन्य खेलों में बहुत जरूरी होती है।

कियारा आडवाणी का किलर बॉस लेडी अवतार, पावर सूट में बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

बॉलीवुड की स्टनिंग और बेहद खूबसूरत अभिनेत्री कियारा आडवाणी हमेशा से ही अपने शानदार फैशन सेंस और अदाओं से फैंस का दिल जीतती आई हैं। हाल ही में कियारा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने नए फोटोशूट की कुछ बेहद अट्रैक्टिव तस्वीरें शेयर की हैं।

इन तस्वीरों में कियारा का एक नया और बेहद पावरफुल बॉस लेडी रूप देखने को मिल रहा है। अपनी इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए कियारा ने कैप्शन में लिखा कि वे इनमें से कोई एक फोटो चुन नहीं पा रही थीं, इसलिए उन्होंने अपने पावर सूट एरा की ये तस्वीरें शेयर की हैं।

तस्वीरों में कियारा आडवाणी ने मोनोक्रोमैटिक कैमेल-बेज रंग का थ्री-पीस पावर सूट पहना हुआ है। उनके इस एंसेंबल में एक फिटेड वेस्टकोट, क्लासिक टेलर्ड ब्लेज़र और हाई-वेस्टेड वाइड-लेग ट्राउजर शामिल हैं।

ब्लेज़र के नीचे उन्होंने सफेद कॉलर और कफ्स वाली शर्ट पहनी है, जिसे बेज कलर की स्लिम नेक-टाई के साथ पेयर किया गया है। उनके इस पूरे सूट पर बारीक प्लेड पैटर्न बना हुआ है, जो उनके कॉर्पोरेट लुक में एक विंटेज और मॉडर्न टच जोड़ता है।

एक्सेसरीज के तौर पर कियारा ने नो-फस लुक अपनाते हुए केवल सोने के स्टड इयररिंग्स, एक स्टेटमेंट रिंग और आंखों पर बड़े क्लियर-लेंस एविएटर चश्मे लगाए हैं, जो उनके इस अवतार को बेहद बोल्ड और कूल बनाते हैं। पैरों में उन्होंने मैचिंग पॉइंटेड-टो स्टिलेटोज़ पहने हैं।

तस्वीरों में कियारा का हर एक्सप्रेशन आत्मविश्वास और पावर से भरा हुआ है। किसी तस्वीर में वे अपने चश्मे को धीरे से थामे हुए कैमरे की ओर गंभीर और तीखी नजरों से देख रही हैं, तो किसी में दूर किसी सोच में डूबी नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर मिनिमल मेकअप और न्यूड-पिंक लिपस्टिक के साथ सॉफ्ट-ग्लैम फिनिश दिया गया है, जो उनके नेचुरल ग्लो और नैन-नक्श को बखूबी उभार रहा है। कियारा ने अपने बालों को मिडिल-पार्टेड सॉफ्ट वेव्स में खुला रखा है। कियारा आडवाणी का यह लेटेस्ट लुक सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो चुका है। फैंस और फैशन क्रिटिक्स उनके इस फॉर्मल-मीट्स-ग्लैमरस कॉम्बिनेशन की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

दुपहिया का सीजन 2 लौटने के लिए तैयार, रिलीज तारीख का हो गया ऐलान

शिवानी रघुवंशी और स्पर्श श्रीवास्तव की वेब सीरीज दुपहिया के दूसरे सीजन का ऐलान हो गया है। सोनम नायर द्वारा निर्देशित कॉमेडी-ड्रामा का पहला सीजन पिछले साल आया था, जिसे आईएमडीबी ने 7.4 की रेटिंग दी है। अब निर्माताओं ने दूसरे सीजन की रिलीज तारीख से पर्दा उठाया है और इसका पहला पोस्टर भी दिखाया है। इसे अविनाश द्विवेदी और चिराग गर्ग द्वारा बनाया और लिखा गया है, जबकि निर्माण बॉम्बे फिल्म कार्टेल एलएलपी के बैनर तले किया गया है। दुपहिया 2 का प्रीमियर इस बार भी अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा। निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, सुनो सुनो सुनो... धड़कपुर अब अपराध मुक्त नहीं हो रहा। दुपहिया का नया सीजन, 1 अक्टूबर, 2026 से।

सेवा-संकल्प अभियान- पिछले 12 साल में देश की दिशा व दशा में बड़ा बदलाव आया है - सिंधिया

अधोसंरचनागत व मानव संसाधन विकास के साथ रोजगार के अवसरों का भण्डार बढ़ा

ग्वालियर(आरएनएस)-पिछले 12 साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की दिशा व दशा में बड़ा बदलाव आया है। देश की आर्थिक तरक्की व सुनियोजित विकास में तेजी आने के साथ-साथ विश्व पटल पर भारत का परचम लहराया है। साथ ही भारत फिर से विश्व भर में आध्यात्मिक शक्ति के रूप में भी उभर रहा है। भारत में विकास के साथ विरासत को सहेजने का काम भी बखूबी ढंग से हो रहा है। इस आशय के विचार केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रीी ज्योतिरादित्य सिंधिया ने व्यक्त किए। श्री सिंधिया सेवा-संकल्प अभियान के तहत आयोजित हो रहीं गतिविधियों के क्रम में रविवार को ग्वालियर में राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में आयोजित हुए विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री एवं जल संसाधन मंत्री

तुलसीराम सिलावट और सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह भी मंचासीन थे।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में अधोसंरचनागत विकास व मानव संसाधन क्षमता में तेजी से बढ़ोत्तरी के साथ रोजगार के अवसरों का भण्डार बढ़ा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वैश्विक अवसरों को भारत में लाने का काम किया है। भारत अब विश्व की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है। भारत से होने वाले निर्यात में भी बड़ा इजाफा हुआ है। श्री सिंधिया ने कहा कि अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ रक्षा के क्षेत्र में भी तेजी के साथ निर्यात बढ़ा है। उन्होंने बताया कि पहले रक्षा के क्षेत्र में मात्र 40 हजार करोड़ रुपए का निर्यात होता था, जो अब बढ़कर डेढ़ लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। रफेल जैसे फाइटर जैट विमानों के कल-पुर्जे अब भारत की धरती पर बन रहे हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित हुए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा लागू की गईं किसान हितैषी योजनाओं की बदौलत भारत अनाज उत्पादन में विश्व के तीन अग्रणी देशों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों के हित में किसान सम्मान निधि जैसी कल्याणकारी योजना शुरू की है।

इस योजना को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार भी भारत सरकार की तरह किसानों के खाते में धनराशि पहुँचा रही है।

रिन्यूवल एनर्जी (अक्षय ऊर्जा) के क्षेत्र में भी भारत में क्रांतिकारी बदलाव आया है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व भर में आध्यात्मिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री की पहल पर पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है।

नालसा शिक्षा 2026 के अंतर्गत शिक्षकों का एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

टीकमगढ़(आरएनएस) राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टीकमगढ़ श्रीमती प्रवीणा व्यास के मार्गदर्शन में आज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ए.डी.आर. के सभाकक्ष में ग्रामीण स्वावलंबन समिति के समन्वय से विषय पर जिला शिक्षा विभाग, टीकमगढ़ में पदस्थ शिक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उददेश्य शाला त्यागी बच्चों को उनकी शिक्षा निरंतर जारी रखने के लिए बच्चों को विद्यालय में पुन: प्रवेश दिलाना एवं बच्चों तथा विद्यालय को नशीली चीजों से दूर कर नशा मुक्त करना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदया श्रीमती प्रवीणा व्यास के द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदया श्रीमती प्रवीणा व्यास के द्वारा कहा गया कि हमें उन कारणों का पता लगाना है जिसके कारण विद्यार्थी विद्यालय आना छोड़ देते हैं। ताकि उन कारणों को दूर करके विद्यार्थी को विद्यालय आने के लिए प्रेरित कर सके जिससे विद्यार्थी अपनी शिक्षा पूरी करके समाज एवं देश के विकास में योगदान दे सकें। अपने संबोधन में यह भी कहा कि, वर्तमान में नशीली चीजें आसानी से उपलब्ध हो रही है। इस बुराई से भी हमें अपने बच्चों को बचाना है, ताकि एक स्वस्थ्य समाज का निर्माण हो सकें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम सत्र में श्री संकेत नाईक प्रशिक्षक के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों को विषय पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि योजना के अंतर्गत हमें अपने आस-पास के उन बच्चों को चिन्हित करना है जो अपनी पढाई को बीच में ही छोड़ करके विद्यालय नहीं जा रहे हैं। ऐसे बच्चों को विद्यालय में पुन: प्रवेश दिलाना है। जिससे बच्चें अपनी पढाई को पूरा कर सके।

द्वितीय सत्र में श्री देवेन्द्र अहिरवार के द्वारा शैक्षणिक संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनानेए विद्यार्थियों को तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों से जागरूक करने तथा विद्यालय परिसर में तंबाकू नियंत्रण से संबंधित आवश्यक प्रावधानों एवं जिम्मेदारियों पर चर्चा की गई। नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताते हुए कहा कि आज कल नशीले पदार्थ आसानी से छोटी-छोटी दुकानों में उपलब्ध हो रहे हैं इससे बचने के लिए आवश्यक है कि विद्यालय के आस-पास की दुकानों में नशीली चीजों को बेचने से रोका जाये साथ ही बच्चों के माता-पिता को भी इस बात के लिए जागरूक किया जाये कि वे भी अपने बच्चों को नशीली चीजों की बुराई के बारे में बताये और बच्चों पर ध्यान रखें। प्रशिक्षण के दौरान के संबंध में भी शिक्षकों को विस्तृत जानकारी दी गई।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित

मंडला -सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय हाईस्कूल भीखमपुर में विद्यार्थियों के लिए 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

चित्रकला प्रतियोगिता में 16 छात्र-छात्राओं तथा भाषण प्रतियोगिता में 12 छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अपने विचार एवं कल्पनाओं को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने अपने चित्रों एवं भाषणों के माध्यम से विकसित, समृद्ध, स्वच्छ, आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत की परिकल्पना को अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मकता, अभिव्यक्ति कौशल तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा मिला। शासकीय हाईस्कूल भीखमपुर में आयोजित यह

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने पलेरा ब्लॉक के स्कूल एवं आंगनवाड़ी केंद्र का किया औचक निरीक्षण

टीकमगढ़-(आरएनएस) कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने आज मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत पलेरा ब्लॉक के शासकीय माध्यमिक शाला मुर्राहा बाबा एवं आंगनवाड़ी केंद्र मुर्राहा बाबा का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय एवं आंगनवाड़ी केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं, बच्चों की उपस्थिति, शैक्षणिक स्तर तथा पोषण आहार वितरण की स्थिति का जायजा लिया।विद्यालय के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री श्रोत्रिय ने कक्षा में विद्यार्थियों की कम उपस्थिति पाए जाने पर शिक्षकों से जानकारी ली और इस संबंध में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक समझ का परीक्षण किया तथा मौके पर जोड़-घटाना के सवाल पूछकर शैक्षणिक स्तर की समीक्षा की। कलेक्टर ने शिक्षकों को विद्यार्थियों की कम उपस्थिति के कारणों का पता लगाने तथा विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए।कलेक्टर श्री श्रोत्रिय ने संबंधित संकुल प्राचार्य एवं बीएसी को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा जिला शिक्षा अधिकारी को इस संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम का शुभारंभ

नरसिहंपुर -(आरएनएस)सेवा संकल्प अभियान 2026 की थीम पर मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत समाज कार्य में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत विकास (बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू) पाठ्यक्रम का शुभारंभ जिले के सभी विकासखंडों में किया गया।

इसी क्रम में विकासखंड साईंखेड़ा एवं चीचली में आयोजित पाठ्यक्रम शुभारंभ कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री जयनारायण शर्मा एवं किसान संघ के तहसील संयोजक श्री संजय पाठक मौजूद थे। इस अवसर पर सभी को नशामुक्ति एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर जिला समन्वयक श्री जयनारायण शर्मा ने 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की विभिन्न गतिविधियों एवं आयोजनों के बारे में बताया। उन्होंने इस अभियान में पाठ्यक्रम के परामर्शदाताओं, छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की। मेंटर्स के साथ छात्र-छात्राओं की पात्रता, ग्राम चयन, विषय चयन एवं प्रोफाइल अपडेट से संबंधित तकनीकी प्रक्रिया की जानकारी ली गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला समन्वयक ने पाठ्यक्रम से संबंधित सभी आवश्यक कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

शासकीय महाविद्यालय तामिया में समाजकार्य के विद्यार्थियों ने जाना औषधीय पौधों का महत्व

छिन्दवाडा-(आरएनएस) मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय तामिया में प्रत्येक रविवार को संचालित संपर्क कक्षा में बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राओं के लिए औषधीय पौधों के महत्व, योग एवं आयुर्वेद विषय पर विशेष मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन के निर्देशानुसार एवं विकासखंड समन्वयक श्रीमती ललिता कुशरे के मार्गदर्शन में परामर्शदाता श्री पंकज राय, श्रीमती स्वाति सूर्यवंशी, श्री सुभाष मिनोटे, श्री संदीप राज एवं श्री महेंद्र यादव के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कृषि विभाग से एडीओ श्री दीपक चौरसिया, पूर्व रेंजर श्री वीरेंद्र कुशवाहा, आत्मा परियोजना से जुन्नारदेव बीटीएम श्री रोहित डेहरिया एवं पीकेवीवाई से विकासखंड समन्वयक श्री पूरन सिंह मरकाम विशेष रूप से उपस्थित थे

औषधीय पौधों की पहचान एवं उपयोग की दी जानकारी - कार्यक्रम के प्रारंभ में विकासखंड समन्वयक श्रीमती ललिता कुशरे ने मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम की जानकारी देते हुए तामिया की भौगोलिक परिस्थितियों एवं क्षेत्रीय विशेषताओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया। इसके बाद पूर्व रेंजर श्री वीरेंद्र कुशवाहा ने छात्र-छात्राओं को विभिन्न औषधीय पौधों की पहचान, उनके महत्व एवं पारंपरिक औषधीय उपयोगों की जानकारी दी। उन्होंने शतावरी, अश्वगंधा, पत्थरचट्टा, पुनर्नवा, गिलोय, गोक्षुरु, कालमेघ एवं सदाबहार सहित विभिन्न औषधीय पौधों के बारे में विस्तार से बताया।उन्होंने विद्यार्थियों को औषधीय पौधों के संरक्षण, संवर्धन एवं दैनिक जीवन में उनके महत्व से परिचित कराया। साथ ही विभिन्न औषधीय पौधों का वितरण करते हुए उनके रोपण, बाजार में उपलब्धता तथा क्रय-विक्रय की संभावनाओं के संबंध में भी जानकारी दी।

कृषि में नवाचार से रोजगार एवं उद्यमिता के अवसर - कृषि विभाग से उपस्थित एडीओ श्री दीपक चौरसिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए छात्र जीवन में अनुशासन, सकारात्मक दृष्टिकोण, लक्ष्य निर्धारण एवं जीवन मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने नौकरी एवं उद्यमिता के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए बताया कि कृषि के क्षेत्र में नवाचार, आधुनिक तकनीकों एवं नए विचारों को अपनाकर स्वरोजगार तथा उद्यमिता के बेहतर अवसर विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों को कृषि आधारित उद्यम स्थापित करने एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

खेल जगत

11 खेलों में भारत की चुनौती, मेडल की होगी बारिश, पाकिस्तान से भी सामना

नई दिल्ली-(आरएनएस) जापान के आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियन गेम्स 2026 के तीसरे दिन भारतीय एथलीट कुल 11 खेलों में अपनी दावेदारी पेश करेंगे। सोमवार को भारत के पास स्विमिंग, शूटिंग, सॉफ्ट टेनिस और वुशु जैसी महत्वपूर्ण स्पर्धाओं में पदक जीतने का बेहतरीन मौका होगा। तीसरे दिन मैदान पर उतरने वाले भारतीय दल से काफी सारे मेडल पक्का करने की उम्मीद रहेगी। यहां आपको 21 सितंबर यानी कि सोमवार को होने वाले सभी इवेंट्स की जानकारी समय के साथ मिल जाएगी।

सेपकटकरासुबह 5-30 बजे- पुरुषों की टीम रेगू, ग्रुप बी मैच - भारत बनाम जापान

सॉफ्ट टेनिस

सुबह 5-30 बजे- मिक्स्ड डबल्स ग्रुप बी मैच - आध्या तिवारी/जय मीणा बनाम विवा चाओ/चनरोसेका खुन (कंबोडिया) सुबह 6-30 बजे- मिक्स्ड डबल्स ग्रुप बी मैच - आध्या तिवारी/जय मीणा बनाम बुड न्यामदोर्ज/एनखखुसलेन गनबातार (मंगोलिया)

सुबह 7-30 बजे- मिक्स्ड डबल्स ग्रुप बी मैच - आध्या तिवारी/जय मीणा बनाम किम योन-हवा/पार्क जेक्यू (दक्षिण कोरिया) सुबह 9-00 बजे- मिक्स्ड डबल्स पहला दौर (क्वालीफिकेशन के आधार पर) सुबह 10-30 बजे- मिक्स्ड डबल्स क्वार्टर फाइनल (क्वालीफिकेशन के आधार पर) दोपहर 12-00 बजे- मिक्स्ड डबल्स सेमीफाइनल (क्वालीफिकेशन के आधार पर)दोपहर 1-30 बजे- मिक्स्ड डबल्स फाइनल (क्वालीफिकेशन के आधार पर) वुशु सुबह 5-30 बजे- महिलाओं की चांगक्वान फाइनल - न्यामन वांगसू दोपहर 3-00 बजे से- महिलाओं का 60 किग्रा 1/8 फाइनल - रोशिबीना देवी बनाम मोस्ट शिखा खातून (बांग्लादेश) दोपहर 3-50 बजे से- पुरुषों का 56 किग्रा 1/8 फाइनल - आर्यन बनाम शाहजादा साफी (अफगानिस्तान) शूटिंग सुबह 6-15 बजे- पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन और टीम फाइनल - हिमांशु ढिल्लों, पार्थ माने, रुद्रांक्ष पाटिल सुबह 6-30 बजे- पुरुषों की स्कीट व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन और टीम फाइनल (पहला दिन) - भवतेघ सिंह गिल, मेराज अहमद खान, अनंत जीत सिंह नरुका

फुटबॉल मैच के बीच में खिलाड़ी पर चढ़ा दिया रोलर, बाल-बाल बची जान

इंग्लैंड-(आरएनएस) इंग्लैंड के पूर्व इंटरनेशनल और टोटेनहम हॉटस्पर के पूर्व विंगर एंड्रोस टाउनसेंड थाईलैंड में एक बड़े हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गए। थाई लीग वन में पीटी प्राचुआप और पट्टानी एफसी के बीच खेले जा रहे मुकाबले के हाफ-टाइम के दौरान, वार्म-अप करते समय मैदान पर चल रहा एक भारी पिच रोलर उनके पैरों पर चढ़ गया और उन्हें रौंदता चला गया। गनीमत यह रही कि इस भयानक हादसे के बावजूद 33 वर्षीय फुटबॉलर को कोई गंभीर चोट नहीं आई और वे एक बड़े हादसे से बच गए।

कैसे हुआ हादसा?

हाफ-टाइम के दौरान टाउनसेंड अपने पीटी प्राचुआप टीम के साथियों के साथ मैदान पर वार्म-अप कर रहे थे। टाउनसेंड उस जगह से थोड़ा बाहर चले गए जहां बाकी खिलाड़ी बॉल पास कर रहे थे। वे हवा में बैकहील मारने की कोशिश कर रहे थे, तभी अनजाने में मैदान का रखरखाव कर रहे ग्राउंड स्टाफ के भारी रोलर के रास्ते में आ गए। रोलर ने पहले उनके पैरों में टक्कर मारी जिससे वे जमीन पर गिर पड़े और रोलर उनके ऊपर से गुजरने लगा। राहत की बात यह रही कि रोलर उनकी कमर के पास आकर रुक गया, जिससे उनकी जान बच गई और बड़ी दुर्घटना टल गई।

जिम्बाब्वे-ऑस्ट्रेलिया का ब्लॉकबस्टर मुकाबला, 49.5 ओवर में एक विकेट से मिली जीत, 3-0 से क्लीन स्वीप भी हो गया

नई दिल्ली-(आरएनएस) ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ रविवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए वनडे सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच को 1 विकेट के अंतर से अपने नाम किया। इसी के साथ मेहमान टीम ने सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज का पहला मैच 59 रन से अपने नाम किया था जिसके बाद अगले मुकाबले को 84 रन से जीतकर सीरीज में अजेय बढ़त बना ली थी।

जिम्बाब्वे ने बनाए 271 रन

रविवार को टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम ने 8 विकेट खोकर 271 रन बनाए। बेन करन ने ब्रायन बेनेट के साथ पहले विकेट के लिए 34 रन की साझेदारी की। करन 7 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके कुछ देर बाद बेनेट भी पवेलियन लौट गए, जिन्होंने 29 गेंदों में 6 बाउंड्री के साथ 30 रन की पारी खेली।

इन बल्लेबाजों का बल्ला चला

68 के स्कोर तक जिम्बाब्वे ने ब्रेंडन टेलर (9) के रूप में तीसरा विकेट भी गंवा दिया था। यहां से क्रेग इर्विन ने इनोसेंट काइया के साथ चौथे विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूती दी। इनोसेंट 55 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए, जिसके बाद इर्विन ने कप्तान सिकंदर रजा के साथ 61 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 200 के पार पहुंचा दिया।

एलिस को मिले 3 विकेट

इर्विन 5 चौकों के साथ 59 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रजा ने अर्नेस्ट मासुकु (3) के साथ 38 रन की साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। रजा 72 गेंदों में 81 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी इस पारी में 1 छक्का और 7 चौके शामिल रहे। मेहमान टीम से नाथन एलिस ने सर्वाधिक 3 सफलताएं हासिल कीं। उनके अलावा, स्पेंसर जॉनसन और एडम जांपा को 2-2 विकेट हाथ लगे।

1 गेंद पहले मिली जीत

इसके जवाब में, ऑस्ट्रेलिया ने 49.5 ओवरों में जीत हासिल की। इस टीम ने 25 रन तक दोनों ओपनिंग बल्लेबाजों के विकेट खो दिए थे, जिसके बाद जोश इंगलिस ने मोर्चा संभाला। उन्होंने कूपर कोनोली के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 रन जुटाए, जिसके बाद एलेक्स कैरी (34) के साथ चौथे विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 162 के स्कोर तक पहुंचा दिया।जोश ने ओलिवर पीक (19) के साथ छठे विकेट के लिए 27 रन और नाथन एलिस के साथ आठवें विकेट के लिए 21 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत के करीब पहुंचाया। इस टीम ने 245 के स्कोर पर एडम जांपा (9) के रूप में नौवां विकेट गंवा दिया। टीम को जीत के लिए 27 रन की दरकार थी। यहां से स्पेंसर जॉनसन (नाबाद 7) ने नाथन एलिस (नाबाद 36) के साथ अंतिम विकेट के लिए 27 गेंदों में इतने ही रनों की साझेदारी करते हुए टीम को रोमांचक जीत दिलाई।

जबलपुर में कॉलोनाइजरों की मनमानी पर कसेगा शिकंजा, एसडीएम से मांगी रिपोर्ट

अवैध कॉलोनियों के खिलाफ फिर होगी कार्रवाई

जबलपुर जिला प्रशासन का बड़ा फैसला-त्योहारी सीजन में अवैध प्लॉटिंग पर अलर्ट- नीलामी के पैसों से बनेंगे सड़क और नाले

जबलपुर। शहर और ग्राम सीमा में तेजी से विकसित हो रही अवैध कालोनियों के खिलाफ नगर निगम के बाद अब जिला प्रशासन भी कार्रवाई की तैयारी में हैं। इस बार जिला प्रशासन की कार्रवाई केवल कालोनाइजरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने या नोटिस तक सीमित नहीं रखने की तैयारी है।

बल्कि अवैध कालोनियों में कालोनाइजरों के खाली प्लाट चिह्नित कर उन्हें नियमानुसार अधिग्रहित करने और बाद में उनकी बिक्री कर उससे मिलने वाली राशि से संबंधित अवैध कालोनियों में ही सड़क, नाली, बिजली सहित जरूरी मूलभूत सुविधाओं के विकास के कार्य कराएगा।

कई अवैध कॉलोनियों के नाम शामिल

दरअसल, अवैध कॉलोनियों को लेकर जिला प्रशासन ने संबंधित एसडीएम से उनके क्षेत्र में विकसित कॉलोनियों की जानकारी मांगी थी, जिसके आधार पर कॉलोनियों और कॉलोनाइजरों की सूची तैयार की जा रही है। हालांकि प्रशासन को भेजी गई जानकारी में भी एकरूपता नहीं है।

कुछ एसडीएम कार्यालयों से भेजी क सूची में कई अवैध कॉलोनियों के नाम शामिल किए गए, जबकि बाद में कुछ के नाम सूची से हटा भी दिए गए। वहीं जिन कॉलोनियों के नाम सूची में रखे गए हैं, उनमें भी कार्रवाई नहीं हुई।

शहर की सीमा से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि के छोटे-छोटे भूखंड काटकर प्लॉटिंग किए जाने की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। कई स्थानों पर कॉलोनाइजरों द्वारा आवश्यक अनुमति और विकास कार्य पूरे किए बिना प्लॉट बेचने के मामले सामने आते हैं। इससे यहां प्लॉट खरीदने वाले लोगों को बाद में सड़क, नाली, पेयजल, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशानी उठानी पड़ती है।प्रशासन और नगर निगम की पूर्व कार्रवाई के बावजूद अवैध कालोनियों का सिलसिला नहीं थमने से अब फिर से कार्रवाई की तैयारी शुरू हो रही है। खासतौर पर त्यौहार सीजन में इन अवैध कॉलोनियों में प्लांट बेंचने की तैयारी भी शुरू हो गई है।

खाली प्लाट होंगे कार्रवाई का आधार

सूत्रों की माने तो जिला प्रशासन का फोकस उन अवैध कालोनियों पर है, जहां कालोनाइजर के नाम पर अभी भी खाली प्लाट उपलब्ध हैं। इन भूखंडों को चिह्नित करने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की योजना के मुताबिक यदि खाली प्लाट अधिग्रहित कर उनकी बिक्री की जाती है तो उससे मिलने वाली राशि को संबंधित कालोनी के विकास कार्यों में लगाया जा सकता है। इ ससे कालोनी में रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का रास्ता भी खुल सकता है।हालांकि इसके लिए संबंधित भूखंडों की स्थिति, स्वामित्व और कालोनी के वैधानिक दस्तावेजों की जांच जरूरी होगी। प्रशासन स्तर पर इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए जानकारी जुटाई जा रही है।

अधूरी जानकारी से अटका काम

अवैध कालोनियों की वास्तविक संख्या और वहां सक्रिय कालोनाइजरों की पहचान प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। एसडीएम स्तर से भेजी गई जानकारी पूरी नहीं होने के कारण जिले की एक समग्र सूची तैयार करने में परेशानी आ रही है। अब प्रशासन संबंधित अधिकारियों से शेष जानकारी जुटाने के साथ सूची को अपडेट कराने की तैयारी कर रहा है।

यह उठे सवाल-कई एसडीएम ने अवैध कॉलोनियों ने पसंदीदा का नाम हटाए-जो नाम भेजे, उनमें भी कई बाद बदलाव किया

कार्रवाई के नाम पर सिर्फ कागजी कार्रवाई की गई

जिन कॉलोनियों में अतिक्रमण तोड़े वहां फिर बनने लगे

तहसील स्तर पर भी अवैध कालोनियों के नामांतरण हो रहे

इन बिंदुओं पर रहेगा फोकस

अवैध कालोनियों का नए सिरे से सर्वे।

कॉलोनाइजर और भूमि स्वामित्व की जानकारी जुटाना।

नियमानुसार अधिग्रहण की कार्रवाई।

प्लाट बिक्री से प्राप्त राशि से विकास कार्य कराने की संभावना।

एसडीएम से मिली अधूरी जानकारी को पूरा कराना।

यहां बन रही अवैध कालोनियां

बरेला, बरगी, पनागर, पाटन, महाराजपुर, रांझी, बिलहरी, भेड़ाघाट-कटंगी-पाटन बाइपास, सूखा, सुहागी, ग्वारीघाट।

कुख्यात बदमाश छोटू चौबे के पिता शेखर चौबे प्रयागराज से गिरफ्तार, जमीन पर कब्जा कर अवैध मकान बनाने का आरोप

जबलपुर। कुख्यात बदमाश छोटू चौबे उर्फ सुयश चौबे के पिता और लंबे समय से फरार चल रहे 3 हजार रुपये के इनामी आरोपी चंद्रशेखर उर्फ शेखर चौबे को क्राइम ब्रांच की टीम ने प्रयागराज से गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी पर जमीन पर अवैध कब्जा कर मकान बनाने, बदमाशों को संरक्षण देने और अपराध के बाद आरोपियों को छिपाने के लिए मकान का इस्तेमाल करने के आरोप हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को जबलपुर लाया गया है, जहां उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर पुलिस रिमांड लिया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, पिछले माह क्राइम ब्रांच ने विश्वसनीय मुखबिर की सूचना पर भूलन बस्ती में दबिश देकर थाना माढ़ोताल के हत्या और ग्वारीघाट क्षेत्र के हत्या के प्रयास के मामले में फरार आरोपी शेख आदिल को पकड़ा था। उसके कब्जे से बड़ी मात्रा में हथियार बरामद हुए थे। पूछताछ में शेख आदिल ने पुलिस को बताया था कि वह जिस मकान में फरारी काट रहा था, वहां उसे छोटू चौबे के पिता शेखर चौबे ने रुकवाया था। आरोपी ने मकान को शेखर चौबे और छोटू चौबे का बताया था।

मकान की तलाशी के दौरान हथियार और मोबाइल सहित अन्य सामग्री बरामद होने पर शेख आदिल, शेखर चौबे, सुयश उर्फ छोटू चौबे और बाबू सिंधी के खिलाफ आर्म्स एक्ट और बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया था।

विवेचना के दौरान पुलिस ने भूलन बस्ती स्थित मकान के स्वामित्व की जानकारी जुटाई। नगर निगम और राजस्व विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार छोटू चौबे, चंद्रशेखर चौबे और उनकी पत्नी रीता चौबे के नाम उक्त जमीन के संबंध में नगर निगम के राजस्व रिकॉर्ड में कोई प्रविष्टि नहीं मिली।

पुलिस ने आसपास के रहवासियों और संबंधित बिल्डर से पूछताछ की। पूछताछ में सामने आया कि खसरा नंबर 95 की भूमि पर वर्ष 2012 में प्लॉटिंग कर दो लोगों को 1000-1000 वर्गफीट के प्लॉट बेचे गए थे। आरोप है कि वर्ष 2018-19 के दौरान जब जमीन मालिकों ने वहां निर्माण होते देखा और उसे रोकने का प्रयास किया, तब शेखर चौबे और छोटू चौबे ने कथित रूप से गाली-गलौज कर हथियार दिखाते हुए उन्हें वहां से भगा दिया।

पुलिस के मुताबिक वर्ष 2022 में संबंधित लोगों को जानकारी मिली कि दोनों प्लॉटों पर पक्का मकान खड़ा कर दिया गया है। डर के कारण उस समय शिकायत नहीं की गई। मकान में लगे बिजली मीटर की जांच में उसका कनेक्शन चंद्रशेखर चौबे के नाम पर होना भी सामने आया।

पुलिस का कहना है कि जांच में यह बात सामने आई कि आरोपियों द्वारा कथित तौर पर लोगों को डराकर जमीन पर कब्जा किया गया और मकान का इस्तेमाल अवैध हथियार रखने, अपराध करने के बाद फरार आरोपियों को छिपाने तथा गैंग के अन्य सदस्यों को संरक्षण देने के लिए किया जाता था। इस मामले में भूलन बस्ती, मौजा कछपुरा स्थित खसरा नंबर 95 की भूमि पर बने निर्माण के संबंध में वैधानिक कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया गया है।

घटना के बाद से ही शेखर चौबे फरार था। पुलिस की विभिन्न टीमों द्वारा संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही थी। आरोपी के लगातार फरार रहने पर पुलिस अधीक्षक जबलपुर संपत उपाध्याय ने उसकी गिरफ्तारी पर 3 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

प्रयागराज में आरोपी के होने की सूचना मिलने पर कंट्रोल रूम प्रभारी उप निरीक्षक प्रभाकर सिंह परिहार ने वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में क्राइम ब्रांच की टीम ने प्रयागराज में दबिश देकर 75 वर्षीय चंद्रशेखर चौबे पिता स्वर्गीय पंडित चेतराम चौबे, निवासी स्नेह नगर, कमला नेहरू थाना मदन महल को अभिरक्षा में लिया और जबलपुर लाया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी क्राइम ब्रांच शैलेष मिश्रा के निर्देशन में उप निरीक्षक प्रभाकर सिंह, सहायक उप निरीक्षक अनिल, आरक्षक राजेश मिश्रा, अजीत सिंह और मुकेश परिहार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में प्रयागराज पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार किया।

बच्ची चलती ट्रेन से गिरी-खिड़की की रॉड पकड़कर खड़ी थी, झटके से बाहर हुई; चेन खींचकर बचाया

जबलपुर (आरएनएस)। पवन एक्सप्रेस में मां के साथ सफर कर रही डेढ़ साल की बच्ची चलती ट्रेन से अचानक नीचे गिर गई। घटना 15 सितंबर को कटनी-जबलपुर के बीच हुई। ट्रेन कटनी स्टेशन से निकलने के बाद करीब 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी। बच्ची इमरजेंसी खिड़की से करीब 8 फीट नीचे नुकीली गिट्टियों पर जा गिरी। उसे गायब देख मां संजीदा खातून बदहवास हो गईं। यात्रियों ने फौरन चेन पुलिंग की और ट्रैक पर दौड़कर बच्ची को उठा लिया। उसके सिर, पीठ, हाथ-पैर में चोट लगने से बच्ची के शरीर से खून निकल रहा था।26 वर्षीय संजीदा मुजफ्फरपुर की रहने वाली हैं। उनके पति मुंबई में नौकरी करते हैं। वह डेढ़ साल की बेटी के साथ मुजफ्फरपुर से लोकमान्य तिलक टर्मिनल मुंबई जा रही थीं। वह लोअर बर्थ पर बच्ची को साइड में लिटाकर मोबाइल देख रही थीं।

इसी दौरान बच्ची उठकर इमरजेंसी खिड़की की रॉड पकड़कर खड़ी हो गई। ट्रेन के झटके से वह खिड़की से बाहर जा गिरी। बच्ची अचानक गायब हुई तो मां को कुछ समझ नहीं आया। यात्रियों ने बाहर गिरने की आशंका जताई।

यात्रियों के मुताबिक इमरजेंसी खिड़की में सामान्य खिड़की की तुलना में रॉड कम लगी थीं। इसके चलते खिड़की में गैप था। बच्ची ने रॉड पकड़कर खड़े होने की कोशिश की और झटके के साथ बाहर गिर गई। ट्रेन की रफ्तार और करीब 8 फीट की ऊंचाई से गिरने के बावजूद बच्ची की हालत देखकर यात्रियों ने राहत की सांस ली। कई यात्रियों ने इसे चमत्कार बताया। ट्रेन जबलपुर स्टेशन पहुंची तो आरपीएफ और कमर्शियल विभाग की टीम ने बच्ची को अटेंड किया और जिला अस्पताल लेकर गई। प्राथमिक उपचार के बाद बच्ची को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

संजीदा ने बताया कि जबलपुर में उनका कोई परिचित नहीं है और वह बच्ची का आगे का इलाज मुंबई में कराना चाहती हैं।

जबलपुर में मोबाइल बेचने के लिए घूम रहे थे, पकड़े गए तो पता चला कि रेल यात्रियों के चुराए हैं

जबलपुर। रेलवे स्टेशन और ट्रेन से यात्रियों के मोबाइल चोरी कर उन्हें बेचने की फिराक में घूम रहे दो आरोपियों को जीआरपी ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चार चोरी के मोबाइल बरामद किए गए हैं।

चोरी के मोबाइल बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं आरपीएफ और जीआरपी का दल गश्त कर रहा थी इसी दौरान सूचना मिली कि प्लेटफार्म क्रमांक चार व पांच के इटारसी छोर पर दो युवक चोरी के मोबाइल बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना पर दोनों एजेंसी की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों को पकड़ लिया।

जबलपुर के दो लाख लोगों का इंतजार होगा खत्म... रांझी में 45 करोड़ से बना 100 बेड का हाईटेक अस्पताल

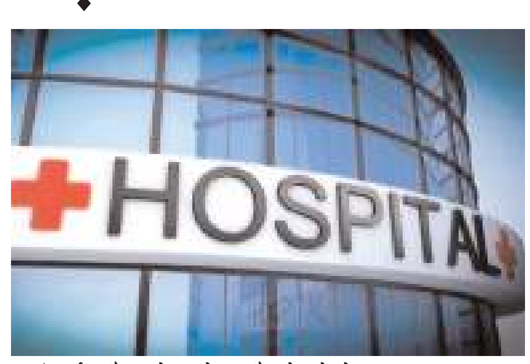

जबलपुर। रांझी में 100 बिस्तरों वाला नया सिविल अस्पताल भवन बनकर लगभग तैयार है, लेकिन इसके औपचारिक उद्घाटन और पूर्ण संचालन का इंतज़ार है। इसके शुरू होने से उपनगरीय क्षेत्र रांझी सहित आसपास के एरिया के तकरीबन दो लाख लोगों को फायदा मिलेगा।

100 बिस्तरों का नया भवन बनकर तैयार

दरअसल रांझी क्षेत्र में स्थित सिविल अस्पताल अब स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में बड़ी सौगात पाने जा रहा है। जहां 45 करोड़ रुपये की लागत से चार मंजिला हाईटेक 100 बिस्तरों का नया भवन बनकर तैयार हो चुका है। अस्पताल बन जाने के बाद अब रांझी और आसपास के इलाकों के लोगों को इलाज के लिए शहर की ओर दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

फिलहाल रांझी सिविल अस्पताल सिर्फ रेफरल सेंटर के तौर पर ही जाना जाता था। जहां हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक और ब्रेन हेमरेज जैसे गंभीर मामलों में यहां प्राथमिक उपचार के बाद मरीजों को जिला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज या शहर के निजी अस्पतालों में भेज दिया जाता था। ऐसे में 20 से 25 मिनट का कीमती समय रास्ते में ही निकल जाता है, जो कई बार मरीज की जान पर भारी पड़ता था।

विशेषज्ञ डॉक्टरों और आधुनिक जांच सुविधाओं से बदलेगी व्यवस्था

नया भवन शुरू होने के बाद हालात पूरी तरह बदलने की उम्मीद है। अस्पताल में आधुनिक जांच मशीनें लगाई गई हैं। 100 बेड का हॉस्पिटल शुरू होने के बाद चिकित्सकों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी और पैरामेडिकल व नर्सिंग स्टाफ की भी तैनाती होगी।

इससे सामान्य ही नहीं, बल्कि गंभीर बीमारियों का इलाज भी यहीं संभव हो सकेगा। गौरतलब है रांझी सिविल अस्पताल की ओपीडी में रोजाना औसतन 300 से 350 मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। रांझी के छह वार्डों के अलावा मटामर, सोनपुर, मानेगांव, मोहनिया, खमरिया, पिपरिया और उमरिया जैसे इलाकों की बड़ी आबादी इसी अस्पताल पर निर्भर है। इसके मुकाबले संसाधनों की कमी अब तक सबसे बड़ी चुनौती रही है।सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी ने बताया नए भवन के चालू होने के बाद स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा काफी बढ़ेगा। जरूरी जांच सुविधाएं, विशेषज्ञ डॉक्टर और पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध कराया जाएगा। इससे गंभीर मरीजों को समय पर इलाज मिलेगा। ऑपरेशन थिएटर, लिफ्ट, रैंप और पैथोलॉजी लैब से लैस पहली मंजिल पर एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, दूसरी मंजिल पर पुरुष और महिला वार्ड, तीसरी मंजिल पर अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर और भवन में सीढ़ी, रैंप, और तीन लिफ्ट सहित बाहर पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था है। इसके अलावा दो आधुनिक ऑपरेशन थिएटर बनाए गए हैं, जिसमें माइनर ऑपरेशन की सुविधा मिलेगी। एक पैथोलॉजी लैब जिसमें जांच की सुविधाएं होंगी। नई ओपीडी वार्ड, इमरजेंसी वार्ड और अन्य संसाधन भी उपलब्ध होंगे।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण को लेकर बैठक संपन्न

जबलपुर -कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों के निराकरण को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, अखिलेश सिंह तथा सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर सिंह ने विभागवार लंबित शिकायतों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का नियमानुसार और संतुष्टि के साथ निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिन शिकायतों का निराकरण विभागीय स्तर पर संभव नहीं है या जिनमें किसी अन्य स्तर से कार्रवाई आवश्यक है, उनके संबंध में समय रहते संबंधित स्तर पर पत्राचार किया जाए।

कलेक्टर सिंह ने शिकायतों को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखें बल्कि उचित समाधान करें। उन्होंने कहा कि भोपाल स्तर तथा अन्य विभागीय प्रक्रियाओं से जुड़ी शिकायतों में संबंधित अधिकारियों से समन्वय बनाकर शिकायतों का निराकरण करें।

कलेक्टर सिंह ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को लंबित शिकायतों की नियमित समीक्षा करते हुए उनका समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-16, नगर निगम जबलपुर

क्रं.सं.अधि/राजस्व./ सं.क्र.16/ 2026-27/ एम....... दिनांक- 19.09.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि श्रीमती सुरैया परवीन, पति - मुबारक हुसैन अंसारी, ने पिन नं. 1000443460 भवन क्रमांक 1864/1 ए वार्ड क्र. 51 वार्ड रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड, क्षेत्रफल 2460 व.फु., भूतल 2000 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक 1000443460 पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-16** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-16 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 220/ 2026-27 - दिनांक 19.09.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, अनीता जायसवाल, पिता रामविकास जायसवाल, ने भवन क्रं. 529 पिन क्र. 1000601270 वार्ड क्र. 69, वार्ड चन्द्रशेखर आजाद वार्ड , के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्री रामविकास जायसवाल, पिता राम अवतार जायसवाल, भूतल 717 व.फु., प्रथमतल 717 व.फु.पक्का , ..., के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 219/ 2026-27 - दिनांक 19.09.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, श्रीमती लौंगा मरावी, पति स्वं. श्री रमेश सिंह मरावी, ने भवन क्रं. 4050/85 पिन क्र. 1000406235 वार्ड क्र. 64, वार्ड महर्षि सुदर्शन वार्ड , के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी का. श्री रमेश सिंह मरावी, पिता स्व. श्री कोदू सिंह मरावी, भूतल 1220 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 650 व.फु.आर.सी.सी. , **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 217/ 2026-27 - दिनांक 18.09.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, श्री मंयक वर्मा, पिता श्री प्रदीप वर्मा ने भवन क्रं. 2584 पिन क्र. 1000587354 वार्ड क्र. 69, वार्ड चन्द्रशेखर आजाद वार्ड , के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्रीमती इन्द्रकांता वर्मा, पति - महेन्द्र सिंह वर्मा, भूतल 532 व.फु., प्रथमतल 532 व.फु. , **आधार कार्ड ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 218/ 2026-27 - दिनांक 19.09.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, श्री अमित कटारे, पिता स्व. श्री सुधीर कटारे ने भवन क्रं. 501 पिन क्र. 1000414818 वार्ड क्र. 62, वार्ड भीमराव अम्बेडकर वार्ड , के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्रीमती लता कटारे, पति स्व. श्री ओमप्रकाश कटारे, भूतल 700 व.फु., प्रथमतल 700 व.फु. आर.सी.सी. **,नोटराइज विक्रयपत्र, आधार कार्ड ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ **शास. नजूल भूमि/ भवन** में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड़, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक एवं ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मोबाइल नंबर- 7879652007 - ईमेल- dainikkshitijkiranjbp319@gmail.com